सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 344 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 27 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : झारखंड के सीएम के पूर्व सचिव व संयुक्त आयुक्त पर एफआईआर

रायपुर। छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाले केस में में झारखंड में रायपुर की ईओडब्ल्यू और एसीबी ने नई एफआईआर दर्ज की है। धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र रचाने की धाराओं में केस दर्ज किया है। ये केस झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के पूर्व सचिव आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे और आबकारी के संयुक्त आयुक्त रहे गजेंद्र सिंह के खिलाफ हुई है।

इन दोनों पर भ्रष्टाचार और सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। मामले में आने वाले दिनों में कई गिरफ्तारियां होने की संभावना है। FIR दर्ज होने के बाद झारखंड में सियासी बवाल शुरू हो चुका है। झारखंड के पूर्व सीएम ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार फिर घोटाले की तैयारी में है। झारखंड के जिन अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इनसे ईडी ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में भी पूछताछ की थी। अब जो एफआईआर हुई उसमें झारखंड आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, छत्तीसगढ़ के रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा के अलावा झारखंड में शराब आपूर्ति, मैनपावर और होलोग्राम बनाने वाली कंपनियों को भी आरोपी बनाया गया है। यह एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018, धारा 420, 120 बी के तहत दर्ज की गई है।

एफआईआर में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ में शराब कारोबार के जरिए अवैध कमाई करने वाले सिंडिकेट से कथित तौर पर जुड़े रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा, अनवर ढबेर समेत अन्य ने झारखंड में भी कारोबार के लिए जनवरी 2022 में विनय कुमार चौबे समेत झारखंड के आबकारी अफसरों के साथ मिलकर शराब बिक्री का नियम बनवाया।

अधिकारी-कर्मचारियों की हड़ताल से ठप्प रहा सरकारी कामकाज, 48 हजार शासकीय स्कूलों में लटके ताले

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर सिलसिलेवार आंदोलन कर रहे सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों ने आंदोलन के चौथे चरण में आज कलम बंद काम बंद हड़ताल कर दी। इससे पूरे प्रदेश में सरकारी कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ। वहीं 48 हजार से ज्यादा शासकीय स्कूलों में भी ताले लटके रहे। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के आह्वान पर राज्यभर के करीब 4 लाख अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए। इससे अपने काम के सिलसिले में दफ्तर पहुंचने वाले लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्कूलों में भी शिक्षकों की उपस्थिति नहीं रही। स्कूल पहुंचने के बाद बच्चों में असमंजस के हालात नजर आए।

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने बताया कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले सरकारी कर्मचारियों से उनकी मांगें पूरी करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती तो फेडरेशन अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान करेगा। वर्मा ने जानकारी दी कि प्रदेश के 33 जिलों और 146 विकासखंडों में कर्मचारी-अधिकारी प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। बाद में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। गौरतलब है कि फेडरेशन ने मोदी की गारंटी को लागू नहीं किए जाने की स्थिति में चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की थी। इसके तहत, दूसरे चरण में 20 से 30 अगस्त के बीच सांसदों और विधायकों को ज्ञापन सौंपा गया। तीसरे चरण में 11 सितंबर को जिलों, ब्लॉकों और तहसीलों में मशाल रैलियों और प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। चौथे चरण में आज 27 सितंबर को प्रदेश के सभी कर्मचारी और अधिकारियों ने अवकाश पर रहकर कलम बंद, काम बंद हड़ताल की।

छत्तीसगढ़ के लगभग 48,000 सरकारी स्कूलों में आज पढ़ाई-लिखाई पूरी तरह ठप रही। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के कलम बंद, काम बंद आह्वान पर करीब 1 लाख 75 हजार शिक्षकों ने सामूहिक अवकाश लिया था। इनमें प्राइमरी, मिडिल, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं।

पढ़ाई-लिखाई रही ठप्प

डीए समेत अन्य मांगों को लेकर फेडरेशन ने हड़ताल का आह्वान किया था, जिसमें शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्कूलों में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने सामूहिक रूप से छुट्टी का आवेदन दिया। एक स्कूल में यदि 17 शिक्षक हैं, तो सभी ने एक साथ स्कूल न आने की सूचना दी। इसके चलते आज सुबह की पाली में स्कूल पहुंचे बच्चों को खासी दिक्कतें पेश आई। उन्हें यह समझ ही नहीं आ रहा था कि आखिर स्कूल क्यों नहीं खुले हैं। हालांकि अनेक स्थानों पर बच्चों को पहले ही छुट्टी की सूचना दे दी गई थी।

लागू की जाए मोदी की गारंटी

अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन ने प्रदेश की सरकार से चुनाव पूर्व किए गए वायदे को पूरा करने की मांग की है। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने से पहले ही अधिकारियों-कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया था, जिसे मोदी की गारंटी का नाम दिया गया। प्रदेश में भाजपा की सरकार बने काफी वक्त हो गया है और सरकार ने भी मोदी की ज्यादातर गारंटियों को पूरा कर दिया है, लेकिन शासकीय कर्मियों की मांगें अब भी पूरी नहीं की गई है। फेडरेशन के लोगों का कहना था कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़वासियों के बीच अपनी एक अलग छवि बनाई है और लोग इस सरकार को जनता के प्रति ज्यादा से ज्यादा जवाबदेह भी मान रहे हैं। ऐसे में सरकार को भी अधिकारी-कर्मचारियों की मांगों को गम्भीरता से लेकर उन्हें पूरा करना चाहिए।

ये हैं फेडरेशन की 4 मांगें

- महंगाई भत्ता : केंद्र सरकार के समान 1 जनवरी 2024 से 4 फीसद महंगाई भत्ता दिया जाए और जुलाई 2019 से देय महंगाई भत्ते के एरियर्स की राशि का समायोजन जीपीएफखाते में किया जाए।
- समयमान वेतनमान : घोषणा पत्र के अनुसार शासकीय सेवकों को समयमान वेतनमान प्रदान किया जाए।
- गृह भाड़ा भत्ता : केंद्र सरकार के समान गृह भाड़ा भत्ता दिया जाए।
- अर्जित अवकाश नगदीकरण : मध्यप्रदेश सरकार की तरह, शासकीय सेवकों के अर्जित अवकाश का नगदीकरण 240 दिनों के बजाय 300 दिनों के लिए किया जाए।

20 सितम्बर को वापस ली थी हड़ताल

गौरतलब है कि अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन ने 20 सितम्बर को हड़ताल का आह्वान किया था, जिसे सरकार के साथ हुई चर्चा के बाद स्थगित कर दिया गया था। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने पिछले महीने एक बड़ी बैठक करके महंगाई भत्ते की मांग पूरी करने को लेकर चरणबद्ध आंदोलन करने की रणनीति तैयार की थी। इसमें फेडरेशन ने 'लेकर रहिबो लेकर रहिबो, मोदी की गारंटी लेकर रहिबो, अब नई सहिबो अब नई सहिबो मोदी की गारंटी लेकर रहिबो' के नारे के साथ अगस्त क्रांति का एलान किया था। आंदोलन के तीसरे चरण में 11 सितम्बर को जिला, ब्लाक व तहसील स्तर पर मशाल रैलियां आयोजित कर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की गई। मशाल रैली को छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक महासंघ समेत अन्य अनुशांगिक संगठनों ने भी अपना समर्थन दिया था।

महंगाई भत्ते में असमानता

छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि, एक देश एक राज्य एक कानून एक कर्मचारी होने के बावजूद भी महंगाई भत्ता में कई तरह की असमानता है। छत्तीसगढ़ राज्य में राज्य और केंद्र के कर्मचारियों को अलग-अलग महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। जब महंगाई सभी के लिए एक बराबर है तो महंगाई भत्ता अलग-अलग क्यों है। गौरतलब है कि इसके पहले भी छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले 112 संगठनों ने 12 दिनों तक अनिश्चितकालीन हड़ताल की थी। इस दौरान सचिवालय, मंत्रालय, स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग जैसे तमाम विभागों में कामकाज प्रभावित हुए थे। अब एक बार फिर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले 112 संगठनों ने ताल ठोंकी है।

नालंदा लायब्रेरी देख गदगद हुए केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा रायपुर प्रवास के दौरान गुरूवार शाम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं वित्तमंत्री ओ. पी. चौधरी के साथ नालंदा परिसर पहुंचे। उन्होंने वहां लाइब्रेरी में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से संवाद किया। श्री नड्डा ने यूपीएससी, सीजीपीएससी सहित अन्य भर्ती परीक्षाओं की तैयारी के लिए नालंदा लाइब्रेरी में अध्ययन की हाईटेक सुविधा, बैठक व्यवस्था एवं सकारात्मक वातावरण की तारीफकी। केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने रायपुर में नालंदा परिसर को उसके नाम के अनुरूप स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय एवं वित्तमंत्री श्री चौधरी की सराहना की। श्री नड्डा ने नालंदा लाइब्रेरी से आरएफआईडी के माध्यम से पुस्तक इश्यू होने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने युवाओं से संवाद करते हुए उनके द्वारा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियों के बारे में भी जानकारी ली।

नालंदा लाइब्रेरी से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर विभिन्न पदों पर चयनित युवाओं ने केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा से संवाद किया और कहा कि यह लाइब्रेरी युवाओं के अध्ययन के लिए चौबीसों घंटे खुली रहती है। यहां पढ़ाई का बेहतर वातावरण एवं इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है। केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने सभी युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि नालंदा लाइब्रेरी युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए बड़ी मददगार साबित होगी। छत्तीसगढ़ में युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आईटी को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रयासों को सराहा और कहा कि इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा राज्य के 22 शहरों में नालंदा परिसर रायपुर के तर्ज पर ही सर्वसुविधा युक्त लाइब्रेरी की स्थापना को अच्छी पहल बताया और कहा कि इससे राज्य के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने में मदद मिलेगी।

वित्तमंत्री ओ.पी चौधरी ने केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा को नालंदा लाइब्रेरी के बारे में जानकारी देते हुए बताया यहां एक हजार युवा एक साथ बैठकर अध्ययन कर सकते है। लाइब्रेरी में 200 एमबीपीएस इंटरनेट की सुविधा है और अध्ययनरत छात्रों के मांग के अनुसार पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती है और आरएफआईडी के माध्यम से पुस्तकें इश्यू करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस अवसर पर विधायक किरण देव, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी और आवासीय भूमि पर निर्मित संपत्तियों के फ्री-होल्ड की प्रक्रिया यथावत

कृषि भूमि को डायवर्सन के बाद ही किया जाएगा फ्री-होल्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ गृह निर्माण मंडल की ऐसी भूमि जो आवासीय मद में दर्ज है, या आबंटित शासकीय भूमि के अंतर्गत आबंटित भवनों, भूखण्डों के फ्री-होल्ड की प्रक्रिया यथावत जारी है। हितग्राही को फ्री-होल्ड हेतु आवेदन मण्डल के नजदीकी संपदा कार्यालयों में कर सकते है। मंडल की ऐसी भूमि जो वर्तमान में कृषि प्रयोजनार्थ के रूप में अंकित है, उनमें डायवर्सन के बाद ही फ्री-होल्ड किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में कुछ प्रकरणों में राजस्व अभिलेख में धारणाधिकार आवासीय के स्थान पर कृषि प्रदर्शित हो रही है। भविष्य में हितग्राहियों को फ्री-होल्ड पश्चात भूमि के व्यपवर्तन हेतु कठिनाई का सामना न करना पड़े इस हेतु मण्डल द्वारा ऐसे प्रकरणों के निराकरण के लिए राजस्व विभाग से समन्वयन कर भूमि के व्यपवर्तन एंव धारणाधिकार में पहले परिवर्तन किये जाने हेतु आयुक्त, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल कुन्दन कुमार द्वारा निर्देश दिये गये हैं एवं निर्णय लिया गया है कि, कृषि प्रयोजन अंकित भूमि का डायवर्सन पश्चात ही फ्री-होल्ड किया जाए।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि, ऐसी भूमि जो आवासीय मद में दर्ज है, वहां फ्री-होल्ड की प्रक्रिया यथावत जारी रहेगी। जो भूमि कृषि प्रयोजनार्थ अंकित है, उन भूमियों की फ्री-होल्ड प्रक्रिया डायवर्सन पश्चात ही की जावेगी, ताकि हितग्राहियों को असुविधा ना हो। डायवर्सन की कार्यवाही त्वरित करने हेतु भी हाऊसिंग बोर्ड द्वारा प्रयास किया जा रहा है। मण्डल को आबंटित शासकीय भूमि के अंतर्गत आबंटित भवनों, भूखण्डों के फ्री-होल्ड में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आ रही है। हितग्राही बिना किसी हिचक के फ्री-होल्ड हेतु आवेदन मण्डल के नजदीकी संपदा कार्यालयों में कर सकते हैं।

कानून का हाथ बंटाएंगे नागरिक प्रहरी

श्रीकंचनपथ

यातायात कानूनों का उल्लंघन करने वालों की नकेल अब नागरिकों को थमा दी गई है। एक मोबाइल ऐप के जरिए आम नागरिक ऐसे लोगों की फोटो-वीडियो सीधे राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र को भेज सकेंगे। करेंट लोकेशन के आधार पर यह सूचना स्थानीय पुलिस को रिवर्ट हो जाएगी। रजिस्ट्रेशन नम्बर के आधार पर वाहन मालिक को ई-चालान पहुंच जाएगा। शिकायतकर्ता एप के जरिए मामले की मानीटरिंग कर सकेंगे। वो जान सकेंगे कि उनके द्वारा की गई शिकायत का सरकार ने क्या किया। दिल्ली पुलिस नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए शिकायतकर्ता को 25 हजार रुपए तक का ईनाम भी देती है। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है कि देश की विशाल आबादी पर नजर रखने के लिए पुलिस और सीसीटीवी कैमरा दोनों ही नाकाफी हैं। नागरिक ऐप के जरिए सीधे पोर्टल पर शिकायत रजिस्टर करे सकेंगे। अब यह पुलिस की मर्जी पर नहीं रहेगी कि वह शिकायत पर अपराध दर्ज करती है या नहीं। जैसा देश का मिजाज है, इससे सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलने वाला है। यदि लोगों ने इसमें रुचि ली तो छोटे और मझोले शहरों से तो प्रतिदिन 100 से अधिक शिकायतें इस पोर्टल पर जा सकती हैं। चौक-चौराहों पर यहां दुकानों से लेकर मंदिर तक सबकुछ हैं। पहले लोग पैदल दर्शन करने आते थे। देव कृपा से अब उनके पास एसयूवी से लेकर एक्सयूवी तक सभी प्रकार की गाड़ियां हैं। गाड़ियां सड़क पर छोड़कर वो दर्शन करने जाते हैं। चौराहों पर फल और सब्जी की दुकानें भी लगती हैं। लोग घर लौटते समय यहीं सड़क पर गाड़ी लगाकर फल और सब्जियां खरीदते हैं। छोटे-बड़े दबंग भी हैं। इनको टोकना- 'आ बैल मुझे मार' की कहावत को चरितार्थ करने जैसा है। घूरते तो ये हैं ही, गालियां देने से लेकर मारपीट या टक्कर मारने की जुर्रत भी कर सकते हैं। ये बीच सड़क गाड़ी खड़ी कर बातें करते हैं। कहीं भी गाड़ी खड़ी कर चले जाते हैं। ड्राइविंग सेंस तो लोगों में पहले ही नहीं थी अब पार्किंग सेंस भी लापता है। जहां कहीं भी पार्किंग की छोटी-मोटी व्यवस्था है वहां बेचारा गार्ड दिन भर दुपहिया गाड़ियों को पूंछ से पकड़कर इधर से उधर करता रहता है। अब आते हैं ऐप की उपयोगिता पर। कुछ शंकाएं लोगों को इस ऐप का इस्तेमाल करने से रोक सकती है। चूंकि शिकायत मोबाइल फोन से की जाएगी इसलिए उसकी पहचान भी अपने आप पोर्टल पर दर्ज हो जाएगी। सरकार को यह भी बताना होगा कि शिकायतकर्ता की पहचान तक किस-किस की पहुंच होगी। यदि शिकायतकर्ता की पहचान कम्प्रोमाइज हुई तो ऐप की उपयोगिता पर सवालिया निशान लग जाएंगे। शिकायत करना खुद सिटिजन सेंटीनेल के लिए मुफ्त का सिरदर्द साबित होगा। योजना को सफल बनाने के लिए सरकार चाहे तो रिवार्ड स्कीम भी शुरू कर सकती है। चालान की राशि में रिवार्ड की राशि को जोड़ा जा सकता है। कैश-बैक मिलेगा तो लोग कूद-कूद कर शिकायत करने के लिए प्रेरित होंगे।

संपादकीय

त्योहार पर लापरवाही

किसी पर्व के अवसर पर कोई अकाल मौत दुखी ही नहीं करती, बल्कि विचलित कर देती है। बिहार में जीवित्पुत्रिका या जितिया या जीउतिया का व्रत-पर्व बहुत धूमधाम से मनाया जाता है और माताएं अपने बच्चों को लेकर नदियों-सरोवरों के तट पर जाती हैं, जहां स्नान, ध्यान, दान की परंपरा श्रद्धापूर्वक निभाई जाती है, पर ऐसे पावन अवसर पर बिहार भर में डूबने की अलग-अलग घटनाओं में करीब पचास मौतों ने झकझोर कर रख दिया है। जान गंवाने वालों में 36 से ज्यादा बच्चे हैं, सात महिलाएं हैं और बाकी पुरुष। यह पहली बार है कि जीवित्पुत्रिका के अवसर पर ऐसी त्रासदी हुई है। पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, औरंगाबाद, कैमूर, बक्सर, सीवान, रोहतास, सारण, पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, गोपालगंज और अरवल जिलों से डूबने की घटनाएं सामने आई हैं।

> *एक जैसी स्थितियों के चलते इतनी मौतें हुई हैं और मौत के कारणों के विस्तार में जाना चाहिए और तभी हम जान सकेंगे कि ऐसा क्या गलत हुआ और इससे कैसे बचा जा सकता है। यह अच्छी बात है कि राज्य सरकार तत्काल चार-चार लाख रुपये की मुआवजा राशि देने में जुट गई है, मगर इस बात का मौका मुआयना जरूर करना चाहिए कि घाटों पर क्या इंतजाम थे? क्या सुरक्षा के जरूरी इंतजामों की अनदेखी हुई है?*

निस्संदेह, बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) का काम बढ़ गया है। केवल मुआवजा बांट देने से काम पूरा नहीं हो जाएगा। यह अच्छी बात है कि डीएमडी ने खोज और बचाव कार्यों के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल अर्थात एनडीआरएफ और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की कई टीमों को लगाया है। बचाव कार्य की सराहना होनी चाहिए, मगर जिन लोगों ने लापरवाही बरती है, उन पर शिकंजा भी कसना चाहिए। पूरब के व्रत-पर्व में अनेक मौके आते हैं, जब नदियों के पास जाने की अनिवार्यता होती है। आजकल नदियों में पानी बढ़ा हुआ है और तटों की सीमारेखा ही नहीं, रूपरेखा भी बिगड़ी हुई है। ऐसे में, उफनती नदियों के पास क्या लोगों को बड़ी संख्या में जाने देना चाहिए था? जहां यदा-कदा सेतु बनते ही टूट जाते हों, वहां तटों-घाटों की गुणवत्ता की चर्चा भला कैसे की जाए? यह प्रश्न सहज ही उभरता है, जब तट-घाट सुरक्षित नहीं थे, तब बच्चों को उनके निकट क्यों जाने दिया गया और क्यों नहाने के लिए असुरक्षित छोड़ दिया गया?

पर ध्यान रहे, दोष केवल सरकारी अधिकारियों का नहीं है। घाट के पास गए लोगों को भी सोचना चाहिए कि जान बड़ी है या कर्मकांड? व्रत-पर्व का अर्थ कतई यह नहीं कि जान को खतरे में डाल दिया जाए। काश! लोग ही अपने स्तर पर तटों-घाटों की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाते। छठ के समय लोग आगे बढ़कर स्वयं घाटों को सुरक्षित बनाते हैं, पर जितिया के अवसर पर भयंकर लापरवाही हो गई। व्रत के नाम पर जान से खेलने का दाग लग चुका है। अच्छे से पता है कि जितिया का व्रत माताएं अपने बच्चों के लिए ही करती हैं, ताकि बच्चे स्वस्थ रहें, उन्हें लंबा जीवन मिले, पर यह चिंता जितिया के अवसर पर कहां चली गई? यह सवाल अब लंबे समय तक पीछा करेगा और करना भी चाहिए। यह त्रासदी इशारा है कि विशेष रूप से माता-पिता की सोच में सुधार-बदलाव जरूरी है। पारिवारिक और सामाजिक अनुशासन जरूरी है, ताकि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी की नौबत न आने पाए। जीवन सिर्फ साहस-दुस्साहस नहीं है, सावधानी भी है।

नजरिया

यहां-वहां ठहरी-बची गरीबी का जाल टूटना चाहिए

हमने हवाई अड्डे से चार लेन वाला राजमार्ग पकड़ा और तीन घंटे में 220 किलोमीटर की दूरी तय कर ली। जाहिर है, सड़क बहुत अच्छी थी। उसके बाद हम दो लेन वाली सड़क पर आए और 80 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे में तय की।

अनुराग बेहार, सीईओ,
अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

इस बार सड़क इतनी खराब थी कि आगे की यात्रा के लिए वाहन बदलने की नौबत आ गई। अगले 10 किलोमीटर की यात्रा हमें ऊंचे चेचिस वाले वाहन से करनी पड़ी, क्योंकि सड़क पथरीली थी और पतली भी। उस कठिन डगर के बाद हमें आगे दो किलोमीटर की यात्रा के लिए बाइक पर सवार होना पड़ा और एक जगह पहुंचकर बाइक का आगे बढ़ना भी असंभव हो गया। तब हम यात्रा पूरी करने के लिए 15 मिनट पैदल चले।

हमने वह दोपहर गांव में बिताई, वहां के निवासियों से सुना कि वे अपने छोटे-छोटे खेतों की पैदावार बढ़ाने, अपने पहाड़ी क्षेत्र में बेहतर जल प्रबंधन करने और आम के बगीचे लगाने के लिए क्या कर रहे हैं। इन परिवारों में से कुछ की वार्षिक आय अधिकतम 40,000 रुपये से लेकर कई लोगों के लिए शून्य तक थी। गांव के उस टोले में कोई मोबाइल कनेक्टिविटी नहीं है। हल्का सिग्नल पाने के लिए कुछ किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर चढ़ना पड़ता है। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए डिजिटल सत्यापन या लेन-देन की जरूरत होती है, पर यह या तो उपलब्ध नहीं है या फिर उन तक पहुंचना कठिन है।

गांव में सरकारी प्राथमिक विद्यालय ने आस-पास की बस्तियों को भी सेवा प्रदान कर रखी है। इसमें एक शिक्षक और 40 बच्चे हैं। शिक्षक ने 300 रुपये प्रति माह पर कमरा किराये पर ले रखा है और वहीं रहते हैं। पहले शिक्षक यहां आते ही स्थानांतरण की कोशिश में लग जाते थे, पर यह शिक्षक दो साल से टिके हैं। निकटतम निजी स्कूल इस गांव से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक छोटे शहर में है। निकटतम निजी अस्पताल 60 किलोमीटर दूर एक अन्य शहर में है। देश की सबसे बुनियादी सुविधा मतलब सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गांव से लगभग 25 किलोमीटर दूर है, जहां पहुंचने में 3-4 घंटे लग जाते हैं। एक नर्स के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र का निकटतम पीएचसी सेंटर लगभग छह किलोमीटर दूर है। अगर गांव में किसी का पैर टूट जाए, तो उसे स्वास्थ्य सुविधा पाने के लिए 25 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यदि किसी बीमारी के लिए सप्ताह में दो बार जांच की जरूरत पड़ जाए, तो मुमकिन ही नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र हो या निजी अस्पताल, दोनों में महज 40 प्रतिशत तक ही स्टाफ हैं।

यह मानव बस्ती अकेली नहीं है। भारत में ऐसी हजारों बस्तियां हैं और ऐसे लाखों लोग इनमें रहते हैं, जो लगभग हर उस चीज से दूर हैं, जिन्हें विकास का प्रतीक माना जाता है। ऐसे वंचित गांवों से लोगों का बाहर जाना और बाहर से लोगों का यहां आना बहुत संघर्षपूर्ण है। सभी प्रकार की गरीबी में कुछ सामान्य विशेषताएं होती हैं। जैसे गरीबी में हम न्यायसंगत, निष्पक्ष और सुरक्षित नौकरियां और आजीविकाएं पैदा करने में असमर्थ रहते हैं। दूरदराज की ऐसी गरीबी को दूरियां घटाकर ही मिटाया जा सकता है।

दूसरे प्रकार की गरीबी आमतौर पर किसी हवाई अड्डे से एक या दो घंटे की दूरी के अंदर ही होती है। यहां जनसंख्या घनत्व अधिक होता है और प्रति व्यक्ति बहुत कम भूमि व अन्य प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हो पाते हैं। यहां की हर चीज पर सामाजिक रीति-रिवाजों और संरचनाओं की बुरी पकड़ होती है और यह इस गरीबी की सबसे बड़ी विशेषता है। सामाजिक और सार्वजनिक संस्थान भी गरीबी के इस जाल में मजबूती से फंसे हुए हैं और काफी हद तक निष्क्रिय हैं। यदि आप एक महिला हैं, तो बाजार आपकी पहुंच से बाहर होंगे, मोबाइल फोन भी नहीं होगा और आपका भोजन परिवार का बचा हुआ खाना होगा। ऐसी गरीबी को मिटाने के लिए सभी को मिलकर मुकाबला करना होगा।

तीसरी तरह की गरीबी हमारे और आपके ठीक बगल में मौजूद है। मलिन बस्तियों, झुग्गियों में रहने वाले लोग मजदूर होते हैं, सफाई का काम करते हैं या इमारतें, सड़कें बनाते हैं, पर स्वयं लाभ से दूर रह जाते हैं। यह उन लाखों जिंदगियों के प्रति उदासीनता है, जो हर पल हमें घेरे रहती हैं। हम सब कुछ कर सकते हैं, पर कुछ नहीं करते। वे गरीबी में रह सकते हैं, पर देश के असल गरीब तो हम हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पर्यटन की अनंत संभावनाओं का प्रदेश है मध्यप्रदेश

पर्यटन दिवस पर आज विशेष

धर्मेन्द्र सिंह लोधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यटन और सांस्कृतिक अभ्युदय का नया इतिहास लिखा जा रहा है। पौराणिक काल से ही देश में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सनातन परम्परा के गौरव को संरक्षित करने और सहेजने की परम्परा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के सांस्कृतिक अभ्युदय के संकल्प को पूरा करने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। भारत में पर्यटन को एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र के रूप में देखा गया है। उनका मानना है कि पर्यटन न केवल आर्थिक लाभ प्रदान करता है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का एक सशक्त साधन है। प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण से पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिली है।

भारत के इतिहास में विभिन्न देशों की खोज, वास्तुकला, तकनीक, साहित्य और कृषि आदि क्षेत्रों में वैचारिक आदान-प्रदान का केंद्र बिंदु पर्यटन भी रहा है। पर्यटन ने वैश्विक शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई निभाई है। पर्यटन लोगों को विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं से रूबरू कराता है, जिससे सहिष्णुता और समझदारी बढ़ती है। जब लोग एक-दूसरे के जीवन और रीति-रिवाजों को समझते हैं, तो उनके बीच संघर्ष की संभावना कम हो जाती है। पर्यटन के माध्यम से लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता है, जिससे वैश्विक समुदाय का निर्माण होता है, जो अंततः वैश्विक शांति को बढ़ावा देता है।

हर साल 27 सितंबर को मनाये जाने वाले विश्व पर्यटन दिवस,मनाया जाता है, का उद्देश्य पर्यटन के महत्व और उसकी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक भूमिका को पहचानना है। वर्ष 2024 की थीम पर्यटन और शांति एक अत्यंत महत्वपूर्ण विचारधारा को दर्शाती है, जिसमें पर्यटन को शांति और सद्भाव का एक माध्यम माना गया है। पर्यटन वैश्विक स्तर पर शांतिपूर्ण संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जब लोग विभिन्न देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ संपर्क में आते हैं, तो यह समावेशिता और सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करता है। इसके साथ ही, जब पर्यटन एक क्षेत्र में बढ़ता है, तो स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं और उनका जीवन स्तर सुधरता है, जिससे संघर्ष और असमानता कम होती है। यह संपूर्ण प्रक्रिया अंततः शांति और समृद्धि को बढ़ावा देती है।

अतुल्य भारत का हृदय मध्यप्रदेश एक बहुविध गंतव्य होने के साथ-साथ नैसर्गिक समृद्ध वन्य जीवन, प्राचीन समृद्ध विरासत, विविध जीवंत संस्कृति का प्रदेश है। लगभग 112.1 मिलियन पर्यटक आगमन के साथ वर्ष 2023 में मध्यप्रदेश ने एक नया पर्यटन रिकॉर्ड स्थापित किया है जो वर्ष 2022 में 34.1 मिलियन आगंतुकों की संख्या से तीन गुना है। भारत में सबसे ज़्यादा 785 बाघों के साथ मध्यप्रदेश देश का चीता, घड़ियाल, तेंदुआ और गिद्ध की अधिक संख्या वाला प्रदेश भी है। मध्यप्रदेश 12 राष्ट्रीय उद्यानों का घर है जो प्राकृतिक लुभावने परिदृश्य और विविध वन्यजीव के लिए जाने जाते है। इसके अलावा मध्यप्रदेश में 50 से अधिक अभ्यारण्य और प्राकृतिक दृष्टि से रमणीय स्थल विद्यमान हैं।

मध्यप्रदेश पुरातत्व और भूगर्भीय चमत्कारों का राज्य है। इतिहास और संस्कृति से भरे खजाने में 14 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। मध्यप्रदेश में बौद्ध तीर्थ स्थल सांची स्तूप, स्थापत्य कला का अद्वितीय नमूना खजुराहो मंदिर और प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों का खजाना भीमबेटका रॉक शेल्टर यूनेस्को की स्थायी सूची में शामिल हैं। यूनेस्को की अस्थाई सूची में ग्वालियर किला, धमनार रॉक-कट गुफाएं, भोजेश्वर महादेव मंदिर, चंबल घाटी रॉक कला, खूनी भंडारा-बुरहानपुर, रामनगर और मंडला गोंड स्थल, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, भेड़ाघाट - लम्हेटा घाट, ओरछा, मांडू और भारत का कपड़ा समूह - चंदेरी शामिल हैं।

अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए गांधी सागर महोत्सव, जल महोत्सव, चंदेरी महोत्सव और कुनो वन महोत्सव शुरू किए गए हैं। जिसमें ऑल सीजन टेंट सिटी स्थापित किए गए हैं। यहां पर्यटक स्काईडाइविंग, हॉट एयर बैलूनिंग, पैरामोटरिंग, रिवर राफ्टिंग से लेकर ज़मीन, पानी और हवा पर आधारित साहसिक गतिविधियों का अनुभव कर सकते है। विश्व प्रसिद्ध चंदेरी साड़ी के जन्मस्थल प्राणपुर को भारत के पहले हथकरघा शिल्प गांव में बदला जा रहा है। यह ऐतिहासिक शहर अपनी सदियों पुरानी हथकरघा बुनाई परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। प्रदेश में पर्यटकों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा अंतर राज्यीय वायु सेवा शुरू की गई है।

मध्यप्रदेश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश में गहन आध्यात्मिक और धार्मिक पर्यटन के प्रामाणिक अनुभव विकसित किए गए है। दो दिव्य ज्योतिर्लिंगों - ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर, चित्रकूट, राम वन गमन पथ, विभिन्न आध्यात्मिक लोक, ओरछा राम राजा मंदिर, भगवान राम और श्री

कृष्ण से जुड़े स्थल जिसमें उज्जैन में संदीपनी आश्रम, जानापाव पहाड़ी आध्यात्मिकता का अद्वितीय आनंद से परिपूर्ण है।

मध्यप्रदेश में पर्यटन स्थानीय समुदायों के विकास और उत्थान की प्रमुख धूरी बन रहा है। रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म की दिशा में बढ़ते हुए ग्रामीण पर्यटन स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाते हुए स्थानीय समृद्ध विरासत और संस्कृति को संरक्षित भी कर रहा है। ग्रामीण पर्यटन मिशन के तहत 100 से अधिक गांवों में 1000 होमस्टे का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में 16 गांवों में फैले 41 ग्रामीण होमस्टे सहित 305 से अधिक होमस्टे आतिथ्य की गर्मजोशी, आरामदायक आवास, स्थानीय व्यंजनों के स्वाद के साथ क्षेत्र के जीवंत लोक नृत्य और संगीत को पर्यटकों से रूबरू करा रहे है। एक कदम आगे बढ़ महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना अंतर्गत सोलो महिला यात्रियों की सुरक्षा और सुगमता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मध्यप्रदेश विविध संस्कृतियों, परंपराओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों का एक जीवंत चित्रपट है। अंतर्राष्टीय खजुराहो नृत्य समारोह, तानसेन संगीत समारोह, भगोरिया उत्सव और लोकरंग जैसे आकर्षक कार्यक्रम और त्योहार मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करते हैं, तथा दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। ताल दरबार, कथक कुंभ और उज्जैन डमरू वादन जैसे आयोजनों में गिनीस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होकर प्रदेश की संस्कृति को विश्व के सामने लाने में अहम भूमिका अदा की है।

मध्यप्रदेश खुद को भारत में एक अग्रणी फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। राज्य की फिल्म-अनुकूल नीति, सिंगल-विंडो क्लीयरेंस और आकर्षक प्रोत्साहन ने इसे प्रोडक्शन हाउस के लिए पसंदीदा विकल्प बना दिया है। हाल ही में मध्यप्रदेश के चंदेरी में शूट की गई फिल्म स्त्री-2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ की कमाई करने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई है। एक कदम आगे जाते हुए भारत की तरफ से ऑस्कर में भेजी जाने वाली फिल्म लापता लेडीज भी मध्यप्रदेश में ही शूट हुई है। यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

पर्यटन और शांति का संदेश सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भावना की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत में पर्यटन का विकास तेज़ी से हो रहा है, जिसमें %स्वदेश दर्शन% और %प्रसाद% जैसी योजनाओं ने विशेष योगदान दिया है। वहीं, मध्यप्रदेश सरकार भी अपने राज्य में पर्यटन स्थलों के विकास और आधारभूत ढांचे के उन्नयन पर विशेष ध्यान दे रही है।

हमारा मध्यप्रदेश पर्यटन की दृष्टि से अनंत संभावनाओं से भरपूर प्रदेश है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश में पर्यटन न केवल आर्थिक वृद्धि का स्रोत बनेगा, बल्कि विश्व भर में शांति और सद्भावना का संदेश भी फैलाएगा। मध्यप्रदेश की प्राकृतिक एवं सामाजिक विविधता और उसकी सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देकर, हम न केवल अपनी पहचान को सशक्त करेंगे, बल्कि शांति और सद्भाव का एक आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत करेंगे।

लेखक पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।)

हवाई अड्डों पर चेक इन

डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल बढ़ रहा है और साथ ही फेशियल रिकग्निशन और अन्य डाटा के दुरुपयोग की चिंता भी बढ़ती जा रही है। देश के करीब दो दर्जन हवाई अड्डों पर डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल शुरू हो गया है। इसकी मदद से यात्री बिना कोई दस्तावेज दिखाए आसानी से हवाई अड्डों पर चेक इन करते हैं।

अब तक 55 लाख लोगों ने यह ऐप डाउनलोड किया और तीन करोड़ लोगों ने यात्रा के लिए इसका इस्तेमाल किया है। इसके इस्तेमाल को लेकर पहले भी यात्रियों की निजता से जुड़ी चिंता जताई गई थी लेकिन अब पता चला है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने खुद ही इस पर सवाल उठाए हैं। सूचना के अधिकार कानून के तहत मांगी गई जानकारी के आधार पर एक खबर आई है, जिसमें कहा गया है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि निजी कंपनियों द्वारा फेशियल रिकग्निशन तकनीक का दुरुपयोग हो सकता है और इससे लोगों को सुरक्षा देने के लिए अतिरिक्त उपाय करने की जरुरत है। हालांकि नागरिक विमानन मंत्रालय का कहना है कि डिजीयात्रा ऐप को यात्रियों के चेक इन के लिए डी फैक्टो गेटवे बना दिया जाए। यानी एक मंत्रालय इसके इस्तेमाल से सुरक्षा को खतरा बता रहा है तो दूसरा मंत्रालय इसे हर हवाईअड्डे पर हर यात्री के लिए अनिवार्य करने की बात कर रहा है।

सवाल है कि जब इस ऐप को वैकल्पिक बनाया गया है और इसे लॉन्च करते समय कहा गया कि यह यात्रियों की मर्जी पर है कि वे इसे चुनते हैं या नहीं तो फिर ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को इसके इस्तेमाल के लिए क्यों बाध्य किया जा रहा है? इसे अनिवार्य बनाने से पहले सरकार को इस बारे में पूरी जानकारी नागरिकों को देनी चाहिए। यह बताना चाहिए कि डिजीयात्रा ऐप एक निजी कंपनी डिजीयात्रा फाउंडेशन का है, जिसमें छह हिस्सेदार हैं। पांच हिस्सेदार दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरू और कोच्चि हवाईअड्डे हैं, जो निजी हाथों में हैं। इन पाचों के पास 73 फीसदी हिस्सेदारी है, जो बराबर बराबर बंटी है। भारत सरकार के एयरपोर्ट ऑथोरिटी के पास 27 फीसदी हिस्सेदारी है। इस तरह से यह लगभग पूरी तरह से निजी उद्यम है, जिसके हाथ में लाखों, करोड़ों नागरिकों का बायोमैट्रिक डाटा जा रहा है।

इसका इस्तेमाल करने वाले ज्यादातर यात्रियों को पता नहीं होता है कि उनका फेशियल रिकग्निशन हो रहा है। दूसरे, इसमें कहा गया है कि यात्रियों का डाटा स्टोर नहीं किया जाता है। लेकिन साथ ही प्राइवेसी की शर्तों में यह भी कहा गया है कि जरुरत पडने पर यात्रियों का डाटा सरकारी एजेंसियों के साथ साझा किया जा सकता है। सोचें, अगर डाटा स्टोर नहीं किया जाता है तो फिर साझा करने की बात कैसे कही जा रही है? ध्यान रहे दुनिया के किसी भी देश में हवाईअड्डे जैसी संवेदनशील जगह पर यात्रियों का बायोमैट्रिक डाटा इकट्ठा करने का अधिकार किसी निजी कंपनी को नहीं दिया गया है। तभी सरकार को जल्दी से जल्दी इससे जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को दूर करना चाहिए और तब तक इसके इस्तेमाल को अनिवार्य करने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए।

(आरएनएस)

जीरो गार्बेज एरिया के साथ स्वच्छता के नए आयाम को छूता अंबिकापुर

श्रीमती मृणमई पांडे, अंबिकापुर

वर्ष 2014 में अम्बिकापुर की महिला समूहों के माध्यम से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन और कचरे के सेग्रीगेशन की योजना जब शुरू की गई थी तब किसी ने भी सोचा नहीं था कि एक छोटा सा दिखने वाला यह मॉडल जिले और प्रदेश का इतना मान बढ़ाएगा कि इस योजना की धूम विदेश तक पहुंचेगी। यह वह योजना है जिसने अम्बिकापुर शहर को लगातार पांच बार सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार दिलाया है। यह सब संभव हो पाया सिर्फ महिला समूहों की दिन रात की मेहनत और मॉडल के सफल क्रियान्वयन से। इस मॉडल को सफल बनाने में स्वच्छता दीदियों ने अपना बहुत महत्त्वपूर्ण योगदान निभाया। घर-घर से कचरा उठाने और कचरे के सही प्रबंधन को मिशन क्लीन सिटी नाम दिया गया और इसे पूरे प्रदेश में लागू कर दिया गया।

स्वच्छता दीदियों के कार्यों को सभी ने सराहा और इन महिला समूहों को देशभर में उत्कृष्ट कार्य करने का बेस्ट लाइवलीहुड अवार्ड भी वर्ष 2019 में मिला। अब समूह की महिलाएं दूसरे प्रदेश के लोगों को ट्रेनिंग दे रही हैं। अम्बिकापुर नगर निगम द्वारा अन्य प्रदेशों से ट्रेनिंग लेने आने वाले लोगों के लिए स्वच्छता दीक्षा सेंटर भी बनाया गया है, जिसमें बाहर के प्रतिनिधियों को कॉन्फ्रेंस और डिस्प्ले के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है। देशभर के लगभग हर राज्य के प्रतिनिधि यहाँ आकर प्रशिक्षण ले चुके हैं, यहां तक कि नेपाल सरकार के मुख्य सचिव भी अपनी टीम के साथ यहां आकर ट्रेनिंग ले चुके हैं। वर्ष 2020 सर्वेक्षण में कचरे का कलेक्शन एव निपटान के साथ वेस्ट रिडक्शन हेतु अंबिकापुर में कई नवाचार किए गए। प्लास्टिक से दोना, सीमेंट प्लांट हेतु आरडीएफ, दीदी बर्तन बैंक, नेकी की दीवार आदि का प्रयोग कर जनसहभागिता सुनिश्चित किया गया। इस सर्वेक्षण में अंबिकापुर द्वारा तरल अपशिष्ट प्रबंधन में नालियों के पानी के उपचार हेतु प्राकृतिक पद्धति का प्रयोग कर वाटर रिसाइकलिंग के क्षेत्र में कार्य किया गया। उपचारित जल का प्रयोग निर्माण कार्य एवम् उद्यानों में किया जाता है। नगर के 36 सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों का सौंदर्याकरण कर बेहतरीन सुविधा सुनिश्चित की गई है। स्वच्छता श्रृंगार योजना के माध्यम से समूह की दीदियों को रोजगार के साथ शौचालय संचालन की व्यवस्था दी गई है। नगर से निकलने वाले मल प्रबंधन हेतु एफएसटीपी प्लांट की स्थापना की गई। वहीं, नगर के 3000 से ज्यादा परिवारों द्वारा होम कम्पोस्टिंग के द्वारा गीले कचरे का घरों में निष्पादन किया जा रहा है। निगम द्वारा तैयार खाद का विक्रय कर आय अर्जन ओर जैविक खेती को बढ़ावा देने में भी कार्य हो रहा है। नगर में निकलने वाले मलबे को प्रोसेसिंग कर विभिन्न उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं ।

(यह लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

खास खबर

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' कार्यक्रम 01 अक्टूबर को

दुर्ग। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 'अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस' के अवसर पर वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह 01 अक्टूबर 2024 को सुबह 9 बजे स्वामी विवेकानंद सभागार पदमनाभपुर जेल तिराहा में आयोजित किया गया है। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार यह कार्यक्रम सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठजनों के अनुरूप विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता (सुरूली कुर्सी दौड़, तेज चाल, थ्रो बॉल, इत्यादि) एवं चिकित्सकीय परामर्श, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विधिक सहायता, स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा।

सामान्य सभा की बैठक 30 सितम्बर को

दुर्ग। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में 30 सितम्बर दोपहर एक बजे आयोजित की गई है। कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, वन एवं पर्यावरण विभाग एवं अन्य विषयों पर समीक्षा की जाएगी।

नशामुक्त भारत अभियान कार्यक्रम 30 सितम्बर को

दुर्ग। नशामुक्त भारत अभियान' भारत सरकार की नशामुक्ति के उद्देश्य से महत्त्वाकांक्षी योजना जिले में संचालित है। नशा के दुष्प्रभावों से आम जनमानस विशेषकर युवा वर्ग को दूर रखने हेतु वृहद रूप से जिला स्तरीय कार्यक्रम 30 सितम्बर 2024 को प्रातः 11 बजे आनंद सरोवर प्रजापिता ब्रम्हकुमारी आश्रम बघेरा में नशामुक्त दुर्ग अभियान सह सेमीनार का आयोजन किया गया है। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार इस कार्यक्रम में जिला अधिकारियों, ब्रम्हकुमारी संस्था के राष्ट्रीय स्तर के प्रचारक, साथ ही जिले के अंतर्गत नशामुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं की भागीदारी होगी। यह कार्यक्रम सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा।

सीसी रोड निर्माण हेतु 79 लाख 99 हजार 698 रुपए की स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में सी.सी. रोड निर्माण के लिए 79 लाख 99 हजार 698 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। अहिवारा विधानसभा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत मुरमुंदा एवं ग्राम पंचायत गोढ़ी में सीसी रोड निर्माण हेतु 9 लाख 99 हजार 849 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदाय की गई है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत चेटुवा, ग्राम पंचायत खेरधा, ग्राम पंचायत सांकरा, ग्ग्रम पंचायत खपरी एवं ग्राम पंचायत मोंहदी हेतु भी 10-10 लाख और ग्राम पंचायत रिंगनी में दो स्थानों पर सीसी रोड निर्माण हेतु 5-5 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिलासपुर-कटनी लाइन पर डेवलवमेंट वर्क दुर्ग-बिलासपुर से छूटने वाली कई ट्रेनें रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा लगातार अपग्रेड़ेशन वर्क किया जा रहा है। नई लाइनों को जोड़ने से लेकर पुराने ट्रैक को बदलने सहित कई डेवलपमेंट के कार्य हो रहे हैं। इसके चलते समय समय पर यात्री ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है। इसी कड़ी में बिलासपुर-कटनी मार्ग पर डेवलपमेंट वर्क किया जाना है। इसके कारण रेलवे ने 30 सितंबर से 12 अक्टूबर तक 26 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इनमें से अधिकतर ट्रेनें दुर्ग व बिलासपुर से निकलने वाली हैं।

इस संबंध में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रवक्ता का कहना है कि अधोसंरचना विकास हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। बिलासपुर-कटनी रेल लाइन इस रेलवे की एक महत्वपूर्ण तथा व्यस्त रेल मार्ग है, जो इस पूरे क्षेत्र को उत्तर भारत से जोड़ती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेल परिचालन को और भी सुचारू तथा नई गाडियों के मार्ग प्रशस्त करने के लिए नई लाइनों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इससे आधारभूत संरचना में विकास के साथ नई यात्री सुविधाओं में वृद्धि के साथ यात्री ट्रेनों की समय बद्धता में भी वृद्धि होगी।

रेलवे का कहना है कि इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए बिलासपुर से कटनी के बीच तीसरी लाइन का कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बिलासपुर-कटनी सेक्शन के बीरसिंहपुर रेलवे स्टेशन को तीसरी लाइन से जोड़ने के लिए यार्ड रिमोडलिंग का कार्य

किया जाएगा। बीरसिंहपुर रेलवे स्टेशन को तीसरी रेललाइन को जोड़ने का कार्य दिनांक 03 अक्टूबर से 11 अक्टूबर' 2024 तक किया जाएगा । इस कार्य के पूर्ण होते ही गाडियों की समयबद्धता एवं गति में तेजी आयेगी। इस कार्य के फ्लस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रद्द होने वाली गाड़ियां

30 सितंबर से 11 अक्टूबर तक बिलासपुर से चलने वाली 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस रह रहेगी।

1 से 12 अक्टूबर तक इंदौर से चलने वाली 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस रह रहेगी।

2 से 12 अक्टूबर 2024 तक भोपाल से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

2 से 11 अक्टूबर तक जबलपुर से चलने वाली 11265 जबलपुर-अम्बिकापुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

3 से 12 अक्टूबर तक अम्बिकापुर से चलने वाली 11266 अम्बिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस रह रहेगी।

1 से 9 अक्टूबर तक बिलासपुर से चलने वाली 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

2 से 10 अक्टूबर तक रीवा से चलने वाली 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस रह रहेगी।

4, 7, 9 और 11 अक्टूबर को रीवा से चलने वाली 11751 रीवा-चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रह रहेगी।

5, 8, 10 और 12 अक्टूबर को चिरमिरी से चलने वाली 11752 बिरमिरी-रीवा पैसेंजर स्पेशल रह रहेगी।

3.7 और 10 अक्टूबर को लखनऊ से चलने वाली 12535 लखनऊ-रायपुर गरीच रथ एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

4,8 और 11 अक्टूबर को रायपुर से चलने वाली 12536 रायपुर-लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस रह रहेगी।

4. 8 और 11 अक्टूबर को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22867 दुर्ग-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस रह रहेगी।

5, 9 और 12 अक्टूबर को निज़ामुद्दीन से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22868 निज़ामुद्दीन-दुर्ग एक्सप्रेस रह रहेगी।

6 और 8 अक्टूबर को दुर्ग से चलने वाली 18203 दुर्ग- कानपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

7 और 9 अक्टूबर को कानपुर से चलने वाली 18204 कानपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रह रहेगी।

6 अक्टूबर को दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस रह रहेगी।

7 अक्टूबर को अजमेर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

3 और 10 अक्टूबर को दुर्ग से चलने वाली 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस रह रहेगी।

5 और 12 अक्टूबर को नौतनवा से चलने वाली 18206 नौतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

3 से 11 अक्टूबर तक चिरमिरी से चलने वाली 08269 चिरमिरी-चंदिया रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

3 से 11 अक्टूबर तक चंदिया रोड से चलने

5, 8, 10 और 12 अक्टूबर को चिरमिरी से चलने वाली 05755 चिरमिरी-अनुपपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

वाली 08270 बंदिया रोड-चिरमिरी- पैसेंजर स्पेशल रह रहेगी।

5, 8, 10 और 12 अक्टूबर को अनूपपुर से चलने वाली 05756 अनूपपुर-चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।

2 से 11 अक्टूबर तक कटनी से चलने वाली 06617 कटनी-चिरमिरी मेमू स्पेशल रह रहेगी।

3 से 12 अक्टूबर तक चिरमिरी से चलने वाली 06618 चिरमिरी-कटनी मेमू स्पेशल रह रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाड़ियां

2 से 10 अक्टूबर तक बरौनी से चलने वाली 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग बरौनी-कटनी-जबलपुर- नैनपुर-बालघाट-गोंदिया होकर चलेगी।

2 से 10 अक्टूबर तक गोंदिया से चलने वाली 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग गोंदिया-बालघाट- नैनपुर-जबलपुर-कटनी-बरौनी होकर चलेगी।

दुर्गा पंडालों के आस-पास सफाई रखने आयुक्त ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आगामी त्यौहारी सीजन नव दुर्गा उत्सव को देखते हुए पूरे भिलाई क्षेत्र में नव दुर्गा पंडाल बनाये जा रहे है। इसके लिए विभिन्न दुर्गा पंडाल समितियों द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है, नगर निगम भिलाई क्षेत्र का यह एक बड़ा उत्सव होता है। निगम के विभिन्न क्षेत्रो में बड़े-बड़े पंडाल बनाये जा रहे है। पंडालो के चारो तरफ साफ-सफाई व्यवस्थित हो। इसके लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो।

यह देखते हुए ''आयुक्त बजरंग दुबे ने सभी जोन आयुक्तों को निर्देशित किये है कि एक टीम बनाकर अपने क्षेत्र के दुर्गा पंडालो के चारो तरफ सफाई एवं लाईट व्यवस्था सुदृड़ किया जावे। किसी प्रकार की शिकायत की संभावना न हो''। नवरात्रि के समय स्ट्रीट लाईट व्यवस्थित रूप से जलनी चालिए, बंद लाईलो का संधारण किया जावे। यदि आवश्यकता हो तो नये लाईट भी लगाया जाये। प्रमुख चैंक चैराहो पर समुचित व्यवस्था किया जावे।

अकसर देखने में आता है कि रोड के किनारे पसरा लगाकर रेहड़ी व्यापारियो द्वारा व्यापार किया जाता है। आवश्यकतानुसार उसको बढ़ाते रहते है, जिससे यातायात व्यवस्था बाधित होती है। दुकान के सामने ही खरीदने वाले ग्राहक अपनी गाड़ी खड़ा कर देते है। इससे ट्रेफिक्र जाम हो जाता है। प्रमुख बाजारो में मार्किंग किया जायेगा, जिसके अंदर ही व्यापारी अपना व्यापार कर सकते है। नगर निगम के राजस्व की टीम निगरानी करेगी, कोई भी व्यापारी उल्लघंन करेगा तो उसके खिलाफ चालानी कार्यवाही की जावेगी। ''महापौर नीरज पाल ने सभी व्यापारियो से अपील की है कि व्यापार करें।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों से आमजन हो रहे लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी के तहत 25 सितम्बर 2024 को ग्राम मंचादुर में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

ग्राम मंचादुर में आयोजित चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें दवाई वितरण किया गया। प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के

अतिरिक्त निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। चिकित्सा शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ निषि मिंज, शुगर एवम बीपी परीक्षण के लिए श्री फ्रिोजा जोसफ् फ्मासिस्ट ए जी गौर तथा पंजीयनकर्ता श्री मंजूर अली तथा विभाग की ओर से माहरा राम मंडावी उपस्थित थे।

इसी क्रम में विगत दिनों ग्राम कातरो में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। 21 सितम्बर 2024 को कातरो में आयोजित चिकित्सा शिविर में कुल 33 लोगों की जांच कर उन्हें दवाई वितरित किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

अहेरी जनसमस्या निवारण शिविर में 134 आवेदनों का निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के धमधा विकासखण्ड के ग्राम अहेरी में आज जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित की गई।

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में ग्रामीण जनता की समस्याओं को सुनने, समझने और मौके पर निराकृत करने आयोजित इस शिविर में सांसद विजय बघेल भी सम्मिलित हुए। शिविर में विभिन्न विभागों को कुल 196 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें 134 आवेदनों का विभागों द्वारा मौके पर निराकरण किया गया। शेष लंबित 62 आवेदनों के निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की

गई। शिविर में समाज कल्याण विभाग को प्राप्त 05 आवेदन, शिक्षा विभाग को प्राप्त 04 आवेदन, खाद्य विभाग को प्राप्त 07 आवेदन तथा कृषि, पशु चिकित्सा, मत्स्योद्योग और खनिज विभाग को प्राप्त 01-01 आवेदन का शत-प्रतिशत् निराकरण किया गया। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त 04 में से 02, विद्युत मंडल को प्राप्त 15 में से 13, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को प्राप्त 05 से 02, जनपद पंचायत धमधा को प्राप्त 76 में से 56 तथा राजस्व विभाग को प्राप्त 65 में से 41 आवेदनों का निराकरण किया गया। स्वास्थ्य विभााग के 02, जिला विधिक सहायता के 01, लोक निर्माण के विभाग के 05, विद्युत मंडल के 02, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी 03, जल संसाधन विभाग के 01, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के 01, आबकारी विभाग के 02, क्रेडा के 01, जनपद पंचायत के 20 तथा राजस्व विभाग के 24 लंबित आवेदनों के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। शिविर में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन, चिकित्सा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, श्रम, उद्योग एवं व्यापार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, रोजगार एवं मार्गदर्शन केन्द्र, जिला अंत्यावसायी, शिक्षा एवं क्रेडा विभाग के अधिकारियों ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीण जनता को दी।

मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में शिविर आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रशासन को जनता के करीब लाना है। जनता को विभागीय अधिकारियों से पहचान हो ताकि वे अपनी समस्याएं अधिकारी के समक्ष सही ढंग से रख सकें।

ऑल इंडिया पुलिस गेम वेटलिफ्टिंग क्लस्टर चैंपियनशिप

14 मेडल के साथ यूपी पुलिस आया शीर्ष पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रथम ऑल इंडिया पुलिस गेम वेटलिफ्टिंग क्लस्टर चैंपियनशिप 2024/25 के तीसरे दिन के सभी विजेता खिलाड़ियों को विभिन्न भार वर्ग में मेडल सेरेमनी हुई। विशेष अतिथि के रूप में दीपक झा, पुलिस महानिरीक्षक, जिला राजनांदगांव, उप पुलिस महानिरीक्षक पारुल माथुर, पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला एवं पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारर उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पुलिस ने अब तक कुल 3 स्वर्ण, 5 रजत और 6 कांस्य पदकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। राजस्थान पुलिस 3 स्वर्ण, 2 रजत, और 2 कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। एसएसबी भी 3 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि छत्तीसगढ़ पुलिस 2 स्वर्ण,1 रजत व एक कांस्य पदक के साथ चौथे पायदान पर

है। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आयोजित की गई है, जिसमें राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी के सभी नियमों का पालन किया गया है। फेयर प्ले और उच्चतम खेल प्रोटोकॉल के अनुसार आयोजन को सफ्लतापूर्वक संपन्न किया जा रहा है।

विजेताओं की सूची

महिला 71 किलोग्राम भार वर्ग
स्वर्ण पदक: सरबजीत कौर (पंजाब पुलिस)
रजत पदक: लालचंद तिमी
कांस्य पदक: हरजीत कौर

76 किलोग्राम भार वर्ग
स्वर्ण पदक: दीपिका हांडा (पंजाब पुलिस)
रजत पदक: पूजा यादव
कांस्य पदक: चीनगाखा निर्मला डी

पुरुष 89 किलोग्राम भार वर्ग
स्वर्ण पदक: बृजेश कुमार (उत्तर प्रदेश पुलिस)
रजत पदक: लक्ष्य मीणा (राजस्थान पुलिस)
कांस्य पदक: आर अरुण प्रसाद (तमिलनाडु पुलिस)

रिथमिक योग पेयर मे:
स्वर्ण पदक: अनुराग मलिक (उत्तर प्रदेश पुलिस)
रजत पदक: मानबोंदरा सरकार
कांस्य पदक: अवधेश सिंह

आर्टिस्टिक योगासन ग्रुप इवेंट
स्वर्ण पदक: सोनी कुमारी
रजत पदक: अंजलि ओरे (मध्य प्रदेश)
कांस्य पदक: बी. माधुरी (आंध्र प्रदेश)

खास खबर...

पोस्ट ऑफिस में आम जनता के लिए निःशुल्क थैला सिलवाने की सुविधा

रायपुर। भारतीय डाक विभाग के रायपुर डाक संभाग द्वारा स्वच्छता से श्रेष्ठ सेवा 2024 के तहत प्लास्टिक की थैली के स्थान पर कपड़े के थैले को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आम जनता के लिए बैरन बाजार पोस्ट ऑफिस, रायपुर में निःशुल्क थैला सिलवाने की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। बैरन बाजार पोस्ट ऑफिस, रायपुर के प्रांगण में 26 से 02 अक्टूबर, 2024 तक सुबह 10 से शाम 05 बजे तक कोई भी जन-सामान्य पुराने कपड़े लाकर, अधिकतम 02 थैले सिलवा सकते हैं। इस सेवा का उद्घाटन रायपुर डाक संभाग के प्रवर अधीक्षक हरीश कुमार महावर और उपअधीक्षक सौरभ कुमार वास्तव द्वारा किया गया।

कांग्रेस की 6 दिवसीय छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा आज से

रायपुर। गुरु घासीदास की तपोभूमि गिरौदपुरी से राजधानी तक 130 कि.मी. की पदयात्रा 27 सितंबर से शुरू होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज 6 दिवसीय पदयात्रा की शुरुआत करेंगे। यह यात्रा गिरौदपुरी से चलकर 6वें दिन गांधी जयंती के दिन 2 अक्टूबर को गांधी मैदान रायपुर में समाप्त होगी, जहां विशाल आम सभा होगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण गिरौदपुरी धाम से प्रार्थना एवं पूजा पाठ करके यात्रा की शुरुआत करेंगे। यात्रा मार्ग में प्रतिदिन जन सामान्य एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से भेंट मुलाकात भी करेंगे। दीपक बैज ने कहा कि हमारी यात्रा का उद्देश्य आम आदमी की सुरक्षा की चिंता है। रोज हो रही हत्या, लूट, चाकूबाजी, डकैती की घटनाओं से आम आदमी में भय पैदा हो गया है प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ प्रतिरोध। राज्य में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध प्रदेश में रोज हो रही दुराचार, सामूहिक दुराचार की घटनाओं के विरोध में। गिरौदपुरी के अमर गुफा में जैतखाम के साथ हुये तोड़-फोड़ के विरोध बलौदाबाजार मामले में निर्दोषों की गिरफ्तारी का विरोध तथा कांग्रेस नेताओं और सतनामी समाज के लोगों की रिहाई। कवर्धा के लोहारीडीह में साहू समाज के 3 बेटो की हत्या, प्रशांत साहू की पुलिसिया प्रताड़ना में हुई मौत की न्यायिक जांच हाईकोर्ट के वर्तमान जज की निगरानी में तथा दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किये जाने की मांग हमारा प्रमुख उद्देश्य है।

रायपुर में क्रियायोग ध्यान साधना शिविर 27 से 29 सितंबर तक

रायपुर। रायपुर में तीन दिवसीय क्रियायोग दीक्षा, सघन ध्यान साधना और सत्संग शिविर का आयोजन 27 से 29 सितंबर तक सरस्वती शिक्षण संस्थान, साइंस कॉलेज के पीछे सभागार में किया जा रहा है। यह शिविर अन्तर्राष्ट्रीय संस्था के भारतीय मुख्यालय हरिहरानंद गुरूकुलम, बालीघाई पुरी (ओडिशा) के वरिष्ठ स्वामी अनिर्वाणानन्द गिरि और भोपाल, मध्यप्रदेश के वानप्रस्थी योगाचार्य कृष्ण राव दौण्ड के मार्गदर्शन में आयोजित होगा।

इस शिविर में केवल वे साधक भाग ले सकते हैं, जिन्होंने गुरू परम्परा के अंतर्गत क्रियायोग दीक्षा प्राप्त की है। इच्छुक जिज्ञासु जन, इस शिविर में स्वामीजी से दीक्षा ग्रहण कर ध्यान साधना में भाग ले सकते हैं। दीक्षा के लिए पंजीयन 27 सितंबर तक अनिवार्य रूप से कराना होगा।

निगम अधिकारियों को रेडक्रास सोसायटी के कार्यो की मिली जानकारी

आयुक्त मिश्रा ने मेडिकल वेस्ट सड़क पर फेंकने वाले हास्पिटल पर जुर्माना करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में आज साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न कार्यो व योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिये ।

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ उज्जवल पोरवाल, अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, पंकज शर्मा, उपायुक्त कृष्णा खटीक, मुख्यअभियंता यू.के. धलेन्द्र, सभी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, विभाग के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इंडियन रेडक्रास सोसायटी के विभिन्न समाज एवं राष्ट्र हितैषी जनकल्याणकारी कार्यो से संबंधित विविध गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसकी जानकारी पर निगम अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वतः स्वस्फूर्त रूचि लेते हुए स्वयं इंडियन रेडक्रास सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा के सदस्य बनने सामने आये एवं वहां के प्रतिनिधि अधिकारी द्वारा दिये गये सदस्यता फार्म को भरकर तत्काल वांछित शुल्क अदा कर रेडक्रास सोसायटी राज्य शाखा के सदस्य बनने की औपचारिकता पूर्ण की एवं जीवन पर्यन्त सोसायटी के समाज एवं राष्ट्र हितैषी जनकल्याण कार्यो से जुडकर उसमें सक्रिय सहभागिता दर्ज कराने का संकल्प लिया।

टीएल बैठक में आयुक्त द्वारा जोन कमिश्नरों एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को मेडिकल वेस्ट सडक पर सड़क किनारे इधर उधर डालने वाले संबंधित अस्पतालों को नोटिस देकर जुर्माना करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। आयुक्त ने जोन कमिश्नरों एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को विभिन्न बड़े बाजारों में प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग पर प्रतिबंध व्यवहारिक रूप से लगवाने अभियान चलाने एवं पॉलीथीन रखने एवं कचरा फैलाने वालो पर जुर्माना करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

आयुक्त ने केन्द्र सरकार, छत्तीसगढ़ शासन एवं रायपुर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जोन कमिश्नरों को प्रत्येक जोन में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत 1-1 वृहद आयोजन रखा जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

आयुक्त ने राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार विगत दिनों नगर निगम रायपुर के सभी 70 वार्डो में लगाये गये जनसमस्या निवारण पखवाडा शिविरों में प्राप्त नागरिको के जनशिकायतों संबंधी सभी आवेदनों का नियमानुसार शत प्रतिशत संख्या में प्राथमिकता से त्वरित निराकरण जनहित में सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जोन कमिश्नरों एवं कार्यपालन अभियंताओं को दिये है। आयुक्त ने नगर निगम क्षेत्र में प्रगतिरत विकास कार्यो को तेज गति से पूर्ण करना प्राथमिकता से सुनिश्चित करने निर्देषित किया है एवं सभी विकास कार्यो में समय सीमा एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये है।

स्वच्छता ही सेवा अभियानः अपने घर से करें साफ-सफाई कार्य का शुभारंभ

विद्यार्थियों ने स्वच्छ सिग्नेचर कैम्पेन में लिया भाग, ली सामूहिक स्वच्छता की शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 2, स्वास्थ्य विभाग स्वच्छ भारत मिशन शाखा ने राष्ट्रीय सेवा योजना शाखा दुर्गा कालेज, नेहरू युवा केन्द्र रायपुर, स्वामी आत्मानंद शासकीय शहीद स्मारक उत्कृष्ट शाला ने एक साथ राजधानी शहर रायपुर में दुर्गा कालेज एवं स्वामी आत्मानंद शहीद स्मारक स्कूल के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, नगर निगम एमआईसी सदस्य ज्ञानेश शर्मा, सुरेशचन्नावार, सुन्दर जोगी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष सूर्यकांत राठौड, पार्षद तिलक पटेल, पूर्व पार्षद सुरेन्द्र सिंह छाबडा, भावेश पिथालिया, राधेश्याम विभार, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि सुभाष अग्रवाल, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे, कार्यपालन अभियंता स्वच्छ भारत मिषन रधुमणी प्रधान, जोन कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, स्वच्छ भारत मिशन शाखा सहायक अभियंता पीडी घृतलहरे, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया, सोशल डेव्हलपमेंट आफिसर डॉ. संगीता ठाकुर, दुर्गा कालेज, रासेयो शाखा प्रभारी अधिकारी सुनीता चैरसिया, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में रेल्वे स्टेशन चैक से फाफाडीह चैक तक स्वच्छता रैली निकालकर नागरिको को स्वच्छ पर्यावरण के प्रति अलख जगाते हुए जागरूक बनाया गया।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने पार्षदों सहित मंच से दुर्गा कालेज, रासेयो शाखा , स्वामी आत्मानंद शहीद स्मारक शासकीय उत्कृष्ट शाला के विद्यार्थियों को स्वच्छता परमो धर्मः की थीम पर आधारित ड्राइंग स्पर्धा सहित विविध सकारात्मक स्पर्धाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। रायपुर उत्तर विधायक ने सभी उपस्थितजनों को स्वच्छ पर्यावरण के प्रति सामूहिक शपथ दिलवायी।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता के लिये प्रत्येक नागरिक को आगे आकर संकल्प लेना चाहिए एवं सबसे पहले सफाई अपने घर परिवार आंगन की करनी चाहिए और फिर इसी तरह अपने मोहल्ले वार्ड जोन, नगर, राज्य एवं देश को स्वच्छ बनाने सहभागिता सक्रियता से दर्ज करवानी चाहिए। रायपुर उत्तर विधायक ने कहा कि स्वच्छता को स्वभाव एवं संस्कार बनाने का कार्य प्राचीन भारत में महाप्रभु जगन्नाथ के उड़िसा पुरी धाम में दिव्य मंदिर की स्थापना के साथ ही प्रारंभ हो गया था एवं उस समय से अब तक पुरी के राजा महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के समय उनके मार्ग की सोने की बुहारी से बुहार कर स्वच्छता कायम करते है। यह सिलसिला राजधानी रायपुर में भी परंपरागत रूप से गायत्री नगर में हर वर्ष रथ यात्रा के दिन महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के समय उनके मार्ग को सोने की बुहारी से बुहार कर स्वच्छता कायम करके छत्तीसगढ के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा किया जाता है। इस प्रकार पूरे देष में प्राचीनकाल से ही स्वच्छता नागरिको के जीवन का स्वभाव एवं संस्कार रही है। पहले विवाह भी स्वच्छता के आधार पर तय हुआ करते थे। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने मंच से इस संबंध में स्वच्छता को लेकर एक निजी संस्मरण बताया ।

उन्होने बताया कि उनका विवाह भी इस आधार पर तय हुआ कि उनकी धर्मपत्नी जीवन में स्वच्छता को काफी पसंद करती है। प्रारंभ से ही वे घर आंगन परिवार में स्वच्छता को प्रतिदिन महत्व देती है। उनकी इस स्वच्छता पसंद को देखकर उनकी माता श्री एवं परिवार के वरिष्ठ जनों ने विवाह तय कर दिया था। जिसे उन्होने माता की आज्ञा मानकर स्वीकार किया। तब माता जी ने उन्हें बताया कि जहां स्वच्छता होती है वहां लक्ष्मी माता की कृपा होती है। उत्तर विधायक ने सभी नागरिको से जीवन में स्वच्छता को महत्व देने का आव्हान किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्षन जोन 2 के सहायक अभियंता पीडी घृतलहरे ने किया।

छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर दी स्वच्छता का सकारात्मक संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के स्वच्छ भारत मिशन शाखा स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम जोन 4 के सहयोग से जेआर दानी शासकीय कन्या शाला द्वारा मिलकर जेआर दानी कन्या शाला में संक्षिप्त आयोजन कर नागरिको को स्वच्छता का सुन्दर सकारात्मक संदेश दिया गया।

इस अवसर पर स्कूल के प्रभारी प्राचार्य डॉ. हितेश दीवान, जोन 4 जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव, कार्यपालन अभियंता स्वच्छ भारत मिशन रधुमणी प्रधान, जोन 6 कार्यपालन अभियंता अतुल चोपडा, जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी विरेन्द्र चंद्राकर, स्वच्छ भारत मिशन शाखा सहायक अभियंता योगेश कडु सहित स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित स्कूल की छात्राओं के बड़ी संख्या में सक्रिय सहभागिता रही। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जेआर दानी शासकीय कन्या शाला की छात्राओं ने स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जनजन को जागरूक बनाने स्कूल परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का सकारात्मक संदेश दिया। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य डॉ. हितेश दीवान ने सभी उपस्थित जनों को स्वच्छ पर्यावरण की सामूहिक शपथ दिलवायी। इस अवसर पर स्कूल की छात्राओं को जीवन में स्वच्छता का महत्व बतलाया गया एवं नगर, छत्तीसगढ़ राज्य एवं देश को स्वच्छ बनाने सहभागी बनने का आव्हान किया गया ।

दस्तावेजों का सत्यापन 5 अक्टूबर को

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कनिष्ठ अभियंता (प्रशिक्षु) के पदों पर सीधी भर्ती के लिए दस्तावेजों का सत्यापन 5 अक्टूबरको प्रातः 09 बजे से कार्यालय मुख्य अभियंता (मानव संसाधन), छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड डंगनिया, रायपुर में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से मिली जानकरी के अनुसार परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों बुलावा पत्र पॉवर कंपनी की वेबसाइट पर शीघ्र अपलोड किया जाएगा।

बन रही है ब्रिटिश कालीन जनजाति विद्रोह की झांकी

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की ऐतिहासिक योगदान की थीम पर नवा रायपुर अटल नगर में तैयार हो रहे शहीद वीरनारायण सिंह संग्रहालय का तेजी से निर्माण किया जा रहा है। संग्रहालय में 15 गैलरी तैयार किए जा रहे हैं। यहां ब्रिटिश हुकूमत के दौरान हुए जनजाति विद्रोहों की झांकी तैयार की जा रही है।

शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी) संग्रहालय पुरखौती मुक्तांगन के समीप 45 करोड़ की लागत से लगभग 10 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जा रहा है। यह संग्रहालय न केवल छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के स्वतंत्रता काल में दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद दिलाएगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली आदिवासी परंपरा से भी आमजन को रूबरू करवाएगा। यह संग्रहालय सभी वर्ग के लोगों के लिए एक आकर्षण का केन्द्र के रूप में बनकर उभरेगा।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा की जन्मदिवस के अवसर पर माह नवंबर में शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय का लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है। अतः कार्य में गुणवत्ता के साथ तेजी लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों, इंजीनियर्स, क्यूरेटर एवं निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से अब तक के कार्य की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए मैन पावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों ने बताया गया कि संग्रहालय में लगने वाली मूर्तियों का निर्माण तेजी से चल रहा है, निर्धारित समयावधि में मूर्ति निर्माण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। मूर्तियों की फिनिशिंग का कार्य भी समानांतर रूप से किया जा रहा है। इस अवसर पर आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संचालक पीएस एल्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रथम गैलरी में छत्तीसगढ़ की जनजातीय जीवन शैली को दर्शाया जाएगा, वहीं दूसरी गैलरी में राज्य की जनजातियों पर अंग्रेजों और स्थानीय हुकूमत के अत्याचार, तीसरी गैलरी में हल्बा विद्रोह, चौथी गैलरी में सरगुजा विद्रोह, पांचवी गैलरी में भोपालपट्टनम विद्रोह, छठवीं गैलरी में परलकोट विद्रोह, सातवीं गैलरी में तारापुर विद्रोह, आठवीं गैलरी में लिंगागिरी विद्रोह, नौवीं गैलरी में कोई विद्रोह, के दृश्य होंगे। इसी प्रकार दसवीं गैलरी में दंतेवाड़ा के मेरिया विद्रोह, ग्यारवीं गैलरी में मुरिया विद्रोह, बारहवीं गैलरी में रानी चौरिस विद्रोह, तेरहवीं गैलरी में बस्तर के भूमकाल विद्रोह, चौदहवीं गैलरी में शहीद वीर नारायण सिंह के सोनाखान विद्रोह एवं पंद्रहवीं गैलरी में झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष को बखूबी चित्रण किया जा रहा है।

जनसुनवाई में सुलझाए कई मामले

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में बुधवार को रायपुर में 283वीं सुनवाई आयोजित की गई। इस जनसुनवाई में महिला उत्पीड़न से संबंधित कई प्रकरणों पर सुनवाई की गई और कई मामलों में दोनों पक्षों के बीच सुलह कराई गई। आयोग ने यह जनसुनवाई रायपुर जिले में आयोजित की, जिसमें कुल 134 प्रकरणों की सुनवाई की गई।

इस जनसुनवाई में कई मामलों को सुलझाने में महिला आयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें दोनों पक्षों को न्याय दिलाने के साथ-साथ आपसी सुलह पर भी जोर दिया गया।

युवाओं को दी नसीहतः आयोग ने युवाओं को प्यार-मोहब्बत के मामलों से दूर रहने की सलाह दी। डॉ. नायक ने कहा कि पढ़ाई के दौरान ऐसे मामलों में पड़ने से पुलिस और कोर्ट के चक्कर लगाने की नौबत आ सकती है, जिससे भविष्य में सरकारी सेवाओं में रोजगार के अवसर भी खत्म हो सकते हैं। उन्होंने युवाओं को पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

मामलों का निपटारा और चेतावनीः सुनवाई के दौरान एक मामले में, एक मानसिक रोगी महिला की जमीन को धोखे से रजिस्ट्री कराने का मामला सामने आया। इस पर आयोग ने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिया था कि वह आरोपी को पेश करे, लेकिन पालन न करने पर थाना प्रभारी को अंतिम चेतावनी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने एसडीएम को निर्देश दिया कि वह अनावेदक और मानसिक रोगी महिला को अगली सुनवाई में पेश करें।

पारिवारिक विवाद और संपत्ति के मामलेः एक अन्य मामले में पति-पत्नी के बीच जमीन की रजिस्ट्री से जुड़ा विवाद सामने आया, जिसमें 1 करोड़ रुपये की संपत्ति का मामला था। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। आयोग ने इस मामले में रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक अधिवक्ता और काउंसलर की नियुक्ति की है ताकि सटीक निपटारा किया जा सके।

ब्लैकमेलिंग का मामलाः एक अन्य प्रकरण में ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाते हुए एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से मामला सुलझा लिया गया और महिला ने शिकायत वापस ले ली। आयोग ने आरोपी को भविष्य में महिला से किसी भी प्रकार का संपर्क न करने की हिदायत दी।

नर्सिंग स्टाफ से जुड़ा विवादः एक मामले में अस्पताल में स्टाफनर्स और मरीज के परिजन के बीच विवाद हुआ था। इस मामले में आवेदिका का 50 किलोमीटर दूर तबादला कर दिया गया था। आयोग की समझाइश के बाद दोनों पक्षों ने मामला आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया और मौखिक सुलहनामा किया गया।

सगाई से जुड़े विवाद का निपटाराः एक प्रकरण में अनावेदक ने आवेदिका को 50 हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि दी और सगाई के खर्च का आदान-प्रदान किया गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के सामान वापस किए और सहमति के बाद मामला नस्तीबद्ध कर दिया गया।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से शानदार वापसी करेंगी मल्लिका शेरावत

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके साथ इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और राजकुमार राव भी नजर आएंगे। मल्लिका इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं।ख्वाहिश, मर्डर, प्यार के साइड इफेक्ट्स और वेलकम जैसी फिल्मों नजर आ चुकीं मल्लिका का विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में बेहद अलग अवतार दिखने वाला है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्देशक राज शांडिल्य ने बताया कि मल्लिका फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं।शांडिल्य ने कहा, मैंने मल्लिका को ध्यान में रखकर यह भूमिका लिखी थी। फिल्म 90 के दशक पर आधारित है और उनका किरदार एक मध्यम वर्गीय आधुनिक महिला का है। जब हमने मल्लिका से संपर्क किया तो उन्होंने सोचा कि हम उन्हें एक डांस नंबर ऑफर कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं था।

राज बोले, मल्लिका को जब पता चला कि हमने यह किरदार उन्हीं को ध्यान में रखकर लिखा है तो उन्होंने फौरन फिल्म के लिए रजामंदी दे दी। वह इसमें एक निडर साहसी महिला की भूमिका में नजर आएंगी, जो अपने समय से काफी आगे है।

विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो 1990 के दशक में रेट्रो थीम पर आधारित है। फिल्म के निर्देशन की कमान राज शांडिल्य ने संभाली है, वहीं भूषण कुमार इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी भी शांडिल्य ने लिखी है।यह पहला मौका है, जब राजकुमार और तृप्ति कलाकार साथ काम कर रहे हैं।

आखिरकार आ ही गया कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का पहला लुक

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया-3 का पोस्टर रिलीज हो गया है। इसी साल दीवाली पर रिलीज हो रही ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर इसका पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को पोस्ट करते हुए कार्तिक आर्यन ने लिखा, दरवाजा खुलेगा।।। इस दिवाली। डायरेक्टर अनीस बज्मी की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हंगामा काटने के लिए एक बार फिर तैयार है। इससे पहले इस फिल्म के 2 पार्ट सुपरहिट रहे हैं। भूल भुलैया के पहले पार्ट में अक्षय कुमार ने लीड रोल निभाया था। वहीं इसके बाद दूसरे पार्ट में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आए थे। अब कार्तिक भूल भुलैया-3 के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।

डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म भूल भुलैया 12 अक्टूबर 2007 को रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, अमीषा पटेल और शीनी अहूजा जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक 32 करोड़ रुपयों के बजट से बनी इस फिल्म ने कमाई के मामले में सभी को चौंका दिया था। फिल्म ने 82 करोड़ रुपयों से ज्यादा की वर्ल्डवाइड कलेक्शन की थी। वहीं कुल 68 करोड़ रुपये भारत में कमाए थे। फिल्म ने पहले ही दिन करीब 4 करोड़ रुपयों की कमाई कर सुपरहिट का अंदाजा लगा दिया था।

वहीं भूल भुलैया का दूसरा पार्ट 2022 में रिलीज किया गया। 20 मई 2022 को रिलीज हुई भूल भुलैया-2 ने भी कमाई के मामले में कमाल कर दिया। इस फिल्म को डायरेक्टर अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। 90 करोड़ रुपयों से बनी इस फिल्म ने 263 करोड़ रुपयों की कमाई कर सभी को चौंका दिया था। अब इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी इस साल दिवाली पर रिलीज के लिए तैयार है। मेकर्स को हर बार की तरह इस पार्ट से भी बंपर कमाई की उम्मीद है।

42 की उम्र में भी बेहद जवां दिखती हैं आमना

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन फैंस को अपने लेटेस्ट लक्स से विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

एक्ट्रेस आमना शरीफ हमेशा अपने बोल्ड एंड ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने बेहद शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के दिलों पर खंजर चल गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ ने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। आमना शरीफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस भले ही टीवी से दूर हैं लेकिन आए दिन अपने लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर फैंस को पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स देती रहती हैं।

चमकदार त्वचा पाने के लिए सेब के छिलकों का ऐसे करें इस्तेमाल

आजकल हर कोई सुंदर दिखना चाहता है, चाहे वह लड़का हो या लड़की, लोग सुंदर दिखने के लिए तरह-तरह के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी कोई नतीजा नहीं निकलता है। आपने स्किन को चमकदार करने के लिए संतरे के छिलकों का इस्तेमाल तो किया होगा, लेकिन आपने सेब के छिलकों से स्किन केयर करने के बारे में शायद ही सुना होगा। सेब का सेवन करना हमारे सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है इसके अलावा सेब के छिलके में मौजूद पोषक तत्व भी स्किन के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। ये त्वचा में चमक लाने और दाग-धब्बे कम करने में मदद कर सकते हैं। आप सेब के छिलकों का इस्तेमाल चेहरे के लिए कई तरीकों से कर सकते हैं। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे स्किन को चमकदार बनाने के लिए सेब के छिलकों का इस्तेमाल कैसे करें।

टोनर बनाएं

सबसे पहले आप सेब के छिलकों को पानी में उबालकर ठंडा करें। उसके बाद इसे स्प्रे बोतल में भरकर रखें और टोनर की तरह इसका इस्तेमाल करें। ये आपके स्किन को फ्रेश और हाइड्रेटेड रखने में काफी मददगार साबित हो सकता है। लेकिन इस पानी का इस्तेमाल ज्यादा दिनों तक न करें।

फेस मास्क बनाएं

सेब के छिलकों से बना फेस मास्क चमक लाने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले सेब के छिलकों को धूप में सुखाकर पाउडर बनाएं। फिर इसमें दही या फिर शहद मिलाकर इसका पेस्ट बनाकर और चेहरे पर लगा सकते हैं। यह त्वचा को निखारने और ताजगी देने में मदद कर सकता हैं।

आप सेब के छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर ओट्स के साथ मिलाकर एक स्क्रब बना सकते हैं। फिर इससे हल्के हाथों से चेहरे पर मसाज करें। इससे आपको चेहरे से डेड स्किन सेल्स को हटाने और ग्लो लाने में मददगार साबित हो सकता है। लेकिन ध्यान रखें स्किन को ज्यादा ना रगड़ें इससे चेहरे पर लालिमा और निशान पड़ सकते हैं।

सिकंदर से आए भाईजान के लुक ने मचा दी इंटरनेट पर तबाही

सलमान खान ने दिखाई इंटेंस वर्कआउट की झलक

सलमान खान ईद 2025 के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर कमाई की सुनामी लाने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान खान ईद 2025 पर बॉक्स ऑफिस पर सिकंदर से धमाका करेंगे। सलमान खान का फिल्म सिकंदर से एक और पोस्टर जारी हुआ है। इस पोस्टर को सलमान खान का सिकंदर से आया फर्स्ट लुक मान रहे हैं। सलमान खान का फिल्म सिकंदर से आया ये पोस्टर अब सोशल मीडिया पर तबाही मचा रहा है। सलमान खान के फैंस भाईजान का सिकंदर लुक देख हक्के-बक्के रह गए हैं। सलमान खान के फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स अब जमकर भाईजान के लुक की तारीफ कर रहे हैं।

सलमान खान ने बीती रात सिकंदर से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है। सलमान खान ने अपनी यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। इसके अलावा सलमान खान का यह लुक अब उनके फैंस के बीच छा गया है। सलमान खान सिकंदर के सेट से आई इस तस्वीर में जिम करते दिख दिख रहे हैं सलमान खान का बियर्ड लुक देखने को मिल रहा है। और सबसे अहम भाईजान के फैंस की नजर सलमान खान के डोलों पर सबसे ज्यादा दिख रही है। सलमान खान फिल्म सिकंदर में बहुत ही दमदार और मसल्समैन के लुक में नजर आने वाले हैं।

अब सलमान खान की इस तस्वीर पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। एक ने लिखा है, एसआरके तो गया अब।।भाईजान बॉक्स ऑफिस पर धमाका करेंगे। दूसरा फैन लिखता है, तूफान आने वाला है। एक और फैन ने लिखा है, भाई फुल फॉर्म मे हैं। वहीं, कई सेलेब्स ने भी सलमान खान के सिकंदर से आए इस फोटो पर अपना शॉकिंग रिएक्शन दर्ज कराया है। बता दें, साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म सिकंदर को प्रोड्यूस किया है और गजनी के डायरेक्टर फिल्म बना रहे हैं।

रोजाना बाल धोना कितना सही कितना गलत, जानें एक्सपर्ट से

ऐसा माना जाता है कि लड़कियों की खूबसूरती उनके बालों में होती है। जिसके लिए कहा जाता है कि आपको अपनी स्किन के साथ-साथ अपने बालों का भी बेहद खास ध्यान रखना चाहिए। जब खूबसूरती की बात आती है तो लोगों का ध्यान सिर्फ चेहरे और स्किन पर जाता है। वहीं लोग बालों को नजरअंदाज कर देते है। लेकिन अगर आप भी ऐसा सोच रहे हैं, तो आप गलत सोच रहे है। बाल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते है। जिसके लिए जरूरी है कि आप अपने बालों का भी पूरा ध्यान रखें। वहीं जब बालों का ध्यान रखने की बात आती है, तो दिमाग में सबसे पहले हेयर वॉश आता है। आइए आज आपको बताते है कि आपको एक हफ्ते में कितनी बार बाल धोने चाहिए।

बालों को रोज शैंपू करें या नहीं

रोजाना बालों में शैंपू करने से इनका नेचुरल ऑयल निकल सकता है। जिससे बालों में रूखापन आ सकता है। इसलिए अगर आपको रोजाना हेयर वॉश करना है, तो एक मॉडरेट सल्फेट फ्री शैम्पू का इस्तेमाल करें। गर्म पानी बालों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए इसकी जगह गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। एक्स्ट्रा ऑयल और बालों की गंदगी से छुटकारा पाने के लिए शैंपू को अपने स्कैल्प पर लगाएं और धीरे से मालिश करें। अपने बालों के एंड्स को बहुत जोर से न रगड़ें। अपने बालों को हीट के बजाय हवा में सूखने दें। हेल्दी बालों के लिए रोजाना स्कैल्प देखभाल जरूरी है कि बालों में नरिशनिंग ऑयल लगाएं और बालों को रोजाना धोएं।

रोज बाल धोने से बालों पर क्या असर

रोजाना शैंपू करने से बाल साफ हो सकते हैं, लेकिन टाइम के साथ उनमें रूखापन आ सकता है और ये उलझ सकते हैं। आपके बाल लाइट और ऑयल-फ्री लग सकते हैं, लेकिन बार-बार धोने से उनकी नेचुकल चमक खत्म हो सकती है। सही कंडीशनिंग के साथ, इन्हें सही बाउंस और बनावट मिल सकती है।

क्या है बाल धोने का सही तरीका

बाल धोने के लिए आप गुनगुने पानी से बालों को गीला करने के बाद थोड़े से शैंपू से सिर की हल्की मालिश करें। अच्छी तरह से धोने के बाद, बालों की सिरे तक अच्छे से कंडीशनिंग करें। नमी बनाए रखने के लिए, अपने बालों को ठंडे पानी से धोएं, गर्म पानी का इस्तेमाल न करें या अपने बालों को बहुत जोर से न रगड़ें।

हफ्ते में कितनी बार बाल धोए

एक्सपर्ट बताते है कि हफ्ते में दो से तीन बाल बाल धोने चाहिए। ऐसा करने से बालों में नेचुरल ऑयल बना रहता है। जिससे आप सूखापन या ऑयली हेयर से बच सकते है। वहीं ड्राई या घुंघराले बालों को नमी बनाए रखने के लिए इन्हें कम बार साफ करने से फायदा हो सकता है। वहीं, ऑयली हेयर को हर दूसरे दिन बाल धोने से फायदा हो सकता है।

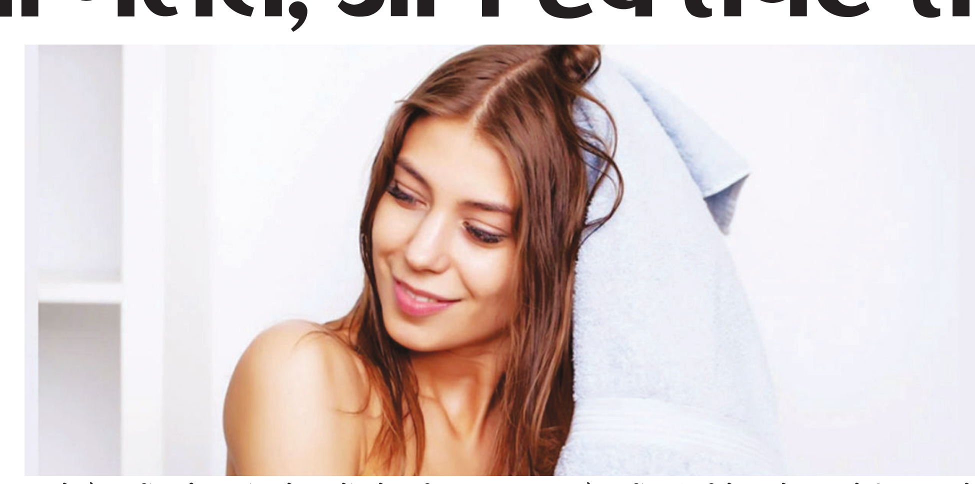

विकास और जन सुविधाएं विकसित करने गंभीरता से काम करें आयुक्त और सीएमओ:अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज मंत्रालय में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ राज्य के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में सभी आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शहरों के विकास और जन सुविधाएं विकसित करने गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नगरीय निकाय में काम में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी मुस्तैदी से अपने दायित्वों का निर्वहन कर शहरों का सुव्यवस्थित और सुनियोजित विकास सुनिश्चित करें। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री कुंदन कुमार भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में नगरीय निकायों को काम के पुराने तरीकों में बदलाव लाते हुए नई कार्य संस्कृति विकसित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण, सप्लाई और खरीदी से इतर अन्य जरूरी कार्यों में भी पूरा ध्यान देने को कहा। उन्होंने निकायों के काम-काज में अपेक्षित सुधार लाते हुए परिणाममूलक कार्य करने पर जोर दिया। श्री साव ने अधिकारियों से कड़े शब्दों में कहा कि शासन के निर्देशों की अवहेलना, अनियमितता, गड़बड़ी और गुणवत्ताहीन कार्य अक्षम्य होगा। ऐसा करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों के लंबित वेतन का भुगतान प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को अगस्त और सितम्बर माह के वेतन का भुगतान आगामी 1 अक्टूबर तक करने को कहा। उन्होंने नगरीय निकायों को राजस्व संग्रहण बढ़ाने के लिए गंभीरता और सक्रियता से काम करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि समय पर वेतन भुगतान नहीं होने की शिकायत नहीं आना चाहिए। उन्होंने कर वसूली की नियमित समीक्षा करते हुए बड़े बकायादारों से कड़ाई से टैक्स वसूलने के निर्देश दिए।

श्री साव ने बैठक में निर्माण और अधोसंरचना विकास के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने को कहा। उन्होंने गुणवत्ता के प्रति पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद ही ठेकेदारों को भुगतान करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों में स्वीकृत कार्यों के टेंडर की प्रकिया जल्दी पूर्ण करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ करने को कहा। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी शहरों के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनके निर्देश पर पिछले नौ महीनों में नगरीय निकायों को विकास कार्यों और जन सुविधाएं विकसित करने के लिए 1400 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इन राशियों का सदुपयोग करते हुए शहरों की भावी जरूरतों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार करें।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने ऐसे नगरीय निकायों जहां के अधिकारी साफ-सफाई और निर्माण कार्यों के निरीक्षण के लिए सवेरे वार्ड भ्रमण पर नहीं जा रहे हैं, उनके प्रति बैठक में गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सभी नगरीय निकायों को शासन के इस निर्देश का गंभीरता से पालन करने को कहा। श्री साव ने बैठक में नगरीय निकायों में आय-व्यय की स्थिति, राजस्व वसूली, निर्माण कार्यों की प्रगति, स्वच्छ भारत मिशन, मिशन अमृत, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, जनसमस्या निवारण पखवाड़ा और ओबीसी सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा की। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने बैठक में सभी नगरीय निकायों को जेम पोर्टल से ही खरीदी करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना से कुम्हार अमीरचंद को मिली आर्थिक स्थिरता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित अमीरचंद प्रजापति की कहानी बहुत प्रेरणादायक है। मिट्टी के दिए बनाकर जीवन गुजारा करने वाले अमीरचंद के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना एक वरदान साबित हुई है। इस योजना की मदद से उन्हें अपना खुद का पक्का घर मिला जिससे उनके सपने हकीकत में तब्दील हुई है। अब अमीरचंद न केवल अपने परिवार के साथ सुरक्षित जीवन जी रहे हैं, बल्कि उन्होंने अपने घर में एक छोटी सायकल एवं गाड़ी पंचर की दुकान भी शुरू कर दी है। यह न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार कर रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रहा है।

बलरामपुर जिले के विकासखण्ड वाड्रफ्नगर के ग्राम पंचायत ओदारी निवासी अमीरचंद प्रजापति बताते है कि वे पेशे से कुम्हार है। मिट्टी को आकार देकर दीया एवं विभिन्न मिट्टी की वस्तुओं का निर्माण कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते है। उनका काम ही केवल उनकी रोजी-रोटी का साधन है, ऐसे में उनके पक्के आवास बनाना असंभव सा प्रतीत होता था लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अमीरचंद प्रजापति को अपना खुद का घर मिलना किसी वरदान से कम नही है। वे बताते है जैसे ही उन्हें आवास की स्वीकृति मिली और उनका आवास पूर्ण हो गया है। आवास मिलने से उन्हें काफी मदद मिली है और वे सकुशल अपने परिवार के साथ जीवन व्यतीत कर रहे है। और भरण पोषण के लिए उनका कुम्हार का कार्य उनकी कला और रचनात्मकता का भी प्रतीक है।

वे मिट्टी को आकार देकर न केवल अपनी कला को व्यक्त करते हैं, बल्कि वे अपने परिवार के लिए भी एक स्थिरता के साथ बेहतर जीवन तैयार कर रहे हैं। अमीर चंद प्रजापति की कहानी से हमें सीख मिलती है कि, किस तरह उन्होंने प्रधानमंत्री आवास मिलने से अपने काम को संजोए रखा है। श्री अमीरचंद ने गरीब लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास देने के लिए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से गंगा कमार के परिवार को आवास के साथ मिला समग्र विकास का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महासमुंद जिले की ग्राम पंचायत बकमा ग्राम कोना की रहने वाली श्रीमती गंगा कमार और उनके परिवार के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना किसी वरदान से कम नहीं साबित हुई है। श्रीमती गंगा ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से गरीबी और कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहा था। उनके पति खेती मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे और कच्चे मकान में रहने के कारण उनका जीवन और भी मुश्किल हो गया था। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत उन्हें एक पक्का घर मिला जिससे उनके सपने पूरे हुए। उन्होंने बताया कि जब उनका नाम प्रधानमंत्री जनमन योजना की आवास चयन सूची में आ गया है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस योजना के तहत उन्हें तीन किस्तों में धनराशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी गई और काम के आधार पर उन्हें कुशल मजदूरी का भुगतान भी किया गया। इससे उन्होंने अपने पक्के घर का निर्माण पूरा किया और अब वे उसी घर में अपने परिवार के साथ खुशी खुशी रहने लगी हैं।

साथ ही गंगा को सरकार की अन्य योजनाओं का भी लाभ मिला है, जैसे कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन, महतारी वंदन योजना के तहत 1000 रूपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता भी मिल रही है, जिससे उनके घर की अन्य ज़रूरतें पूरी हो रही हैं। बिजली कनेक्शन, पक्का शौचालय, नल कनेक्शन, किसान सम्मान निधि और सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि भी मिल रहा है।

आयुष्मान कार्ड से अब उनका परिवार स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकता है। बैंक खाते और आधार कार्ड के माध्यम से उन्हें सीधे सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि गांव में जीवन की बुनियादी सुविधाओं के लिए नल जल योजना और बिजली की सुविधा भी मिल रही है, जिससे उनके दैनिक जीवन की कठिनाइयां कम हुई हैं। सरकार की किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी उन्हें मिलता है। इन सभी योजनाओं ने उनके जीवन में व्यापक बदलाव आया है और उनके परिवार के लिए एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया है। गंगा कमार ने प्रधानमंत्री जन-मन योजना के तहत मिले इस लाभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करती हैं।

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में 2046 बच्चों का स्वर्णप्राशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों के व्याधिक्षमत्व, पाचन शक्ति, स्मरण शक्ति, शारीरिक शक्तिवर्धन एवं रोगों से बचाव के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय, रायपुर में आज 2046 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया। विभिन्न रोगों से रोकथाम और इम्युनिटी बढ़ाने 560 बच्चों को पांच दवाईयों से बने बाल रक्षा किट का भी वितरण किया गया। स्वर्णप्राशन के साथ ही डॉ. लवकेश चंद्रवंशी ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है।

शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में आयुष विभाग की संचालक सुश्री इफ्फत आरा, प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार जोशी और कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज अग्रवाल के निर्देशन में स्वर्णप्राशन कराया गया। स्वर्णप्राशन समन्वयक डॉ. लवकेश चन्द्रवंशी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यह काफी लाभदायक है।

महाविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग की व्याख्याता डॉ. सत्यवती राठिया तथा स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्र-छात्राएं हर महीने स्वर्णप्राशन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय द्वारा इस वर्ष की अन्य पुष्य नक्षत्र तिथियों 25 जनवरी को 1235, 21 फरवरी को 1420, 18 मार्च को 1720, 16 अप्रैल को 1410, 13 मई को 1256, 10 जून को 1802, 8 जुलाई को 1342, 3 अगस्त को 1370 और 30 अगस्त को 1660 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया था।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बलौदाबाजार जिले में 28 हजार से अधिक मकान हुए स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 28 हजार 754 मकान हुए स्वीकृत किए गए है जिसमें से आज 15 हजार 436 हितग्राहियों को प्रथम किश्त जारी कर दिया गया है। जिससे वर्षो से पक्के घर की आस में रहने वाले हितग्राहियों के चेहरे खिल उठे है। इस खुशी को उत्सव को बदलने के लिए कलेक्टर दीपक सोनी ने गांव गांव में आवास उत्सव आयोजन कराने के निर्देश संबधित अधिकारियों दिए है। जिसके तहत हितग्राहियों को योजना के संबध में विस्तृत जानकारी,सूची का वाचन,घर की डिजाइन,किश्तों का विवरण सहित सक्षम हितग्राही अतिरिक्त पैसा मिलाकर और बड़े घर बनाने हेतु प्रेरित किए जाएंगे।

उक्त सभी बाते कलेक्टर दीपक सोनी ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना के समीक्षा बैठक में कही है। उन्होंने संबधित अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों को दो टूक कहा की निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार की समझौता नही होनी चाहिए। सभी मकान निर्धारित 90 दिवस की समय सीमा में ही पूर्ण कराएं।पहले साल भर में लगभग 7 हजार मकान बनाने होते थे जिसको हम बड़ी मुश्किल से पूर्ण कर पाते है। पर अब लक्ष्य से 4 गुणा अधिक 28 हजार हो गया है मतलब हम लोगो को अब 4 गुणा अधिक मेहनत की जरूरत है। तब जाकर आवास का लाभ हितग्राहियों को मिल पाएगा। इस दौरान श्री सोनी ने अच्छे कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रतिमाह पुरुस्कृत करने की बात कही है। गौरतलब है की जिले में जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 28 हजार 754 मकान हुए स्वीकृत किए गए है।

जिसमे जनपद पंचायत बलौदाबाजार 6731, भाटापारा 3756, कसडोल 7658, पलारी 6497 एवं सिमगा 4112 शामिल है। इसी तरह से इसमें से आज दिनांक तक 15 हजार 436 हितग्राहियों को प्रथम किश्त जारी कर दिए गए है। जिसमे से जनपद पंचायत बलौदाबाजार 3534, भाटापारा 2568, कसडोल 3734, पलारी 2979 एवं सिमगा 2621 शामिल है।

अब डिस्पेंसरी मजदूरों को सीधे विशेषज्ञ हॉस्पिटल में कर सकेंगे रेफर, श्रम मंत्री ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में प्रदेश के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी व्यवस्था बनाए जिसमें श्रमिक और उनके परिवार जनों को डिस्पेंसरी से सीधे विशेषज्ञ हॉस्पिटल (अनुबंधित) में रेफर कर सकें। वर्तमान में गंभीर बीमारी से ग्रस्त और इमरजेंसी में मरीजों को पहले ईएसआईसी के डिसपेंसरी फिर मुख्य अस्पताल से अनुबंधित अस्पताल रेफर करवाना पड़ता है। इस जटिल प्रक्रिया की वजह से श्रमिक परिवारों को काफी परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए मंत्री श्री देवांगन ने कहा की ईएसआईसी जब तक अपने अस्पतालों में सुविधा नही बढ़ाती तब तक मरीजों को अन्य अस्पतालों में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराएं। कैबिनेट मंत्री ने प्रदेश के राइस मिल, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, निजी स्कूल समेत अन्य संस्थान के सर्वे कर ज्यादा से ज्यादा कर्मियों को ईएसआईसी में पंजीकृत करने के निर्देश। उन्होंने बस्तर में जल्द कार्यालय और अस्पताल प्रारंभ करने निर्देशित किया। प्रदेश में 4 नए औषधालय शुरु करने के निर्देश दिया। साथ ही ईएसआईसी अस्पतालों में आईपीडी की सुविधा बढ़ाने को कहा।

श्रम मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा संचालित अस्पतालों में श्रमिकों का बेहतर से बेहतर उपचार हो, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अंतर्गत क्षेत्रीय परिषद जिसमें ईएसआई एवं आरआईटीईएस के अधिकारियों की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए। श्री देवांगन ने इएसआईसी अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करने हेतु रीजनल बोर्ड के सदस्यों को ईएसआई स्थानीय चिकित्सक द्वारा आमंत्रित करने को कहा। छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 4 नए औषधालय जिनमें ग्राम लारा, खरसिया, तिल्दा एवं उरला में खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा कार्यवाही की जा रही है। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने बिलासपुर जिले हेतु 100 बेड अस्पताल के निर्माण के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल हेतु राज्य शासन के द्वारा भूमि के दिए गए विकल्पों का समिति के द्वारा परीक्षण कर मुख्यालय भेजा गया है। मुख्यालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम के द्वारा विकल्पों का मूल्यांकन किया जा रहा है। बस्तर जिले हेतु औषधालय कार्यालय (डीसीबीओ) का अनुमोदन किया गया। जिसमें मुख्यालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम के द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णयों के अनुसार केवल शासकीय, अर्द्धशासकीय, सार्वजनिक उपक्रम के भवनों में नए कार्यालय खोले जाने है। किन्तु अभी तक उपयुक्त भवन उपलब्ध नही हो पाया है। इस संबंध में कैबिनेट मंत्री ने भारत संचार निगम एवं भारतीय जीवन बीमा निगम को भवन की उपलब्धता हेतु इन संस्थाओं से सम्पर्क करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन के द्वारा ग्राम कुरूंदी औषधालय सह कार्यालय (डीसीबीओ) के निर्माण हेतु जमीन चिन्हित की गई है। यह जमीन इस हेतु उपयुक्त पायी गई है। निगम के द्वारा राज्य शासन से आबंटन यथाशीघ्र कराने के संबंध में प्रस्ताव भेजने पर सहमती व्यक्त की गई।

कोरबा शहर के विभिन्न स्थानों पर चली मेगा स्वच्छता ड्राईव

कोरबा। । स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत संचालित किए जा रहे स्वच्छता पखवाड़े के तहत कोरबा नगर के विभिन्न स्थानों यथा जिला अस्पताल, पी.जी.कालेज, कोरबा पुराना शहर, वार्ड क्र. 23 कृष्णानगर सहित अन्य विभिन्न स्थानों पर मेगा स्वच्छता ड्राईव चलाई गई, इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारी कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं नागरिकों ने स्वच्छता कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता दी, सफाई कार्यो में हाथ बटाया तथा शहर को साफ-सुथरा रखने, स्वच्छता में सहयोग करने एवं इस हेतु औरो को भी प्रेरित करने का संकल्प दोहराया। यहाँ उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन व निगम आयुक्त सुप्रतिष्ठा ममगाई के दिशा निर्देशन में विगत 17 सितम्बर से स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कोरबा जिले में वृहद स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन हो रहा है, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं, इस अभियान में समाज के सभी वर्ग के लोग अपनी सहभागिता दे रहे हैं, स्वच्छता कार्यो में हाथ बटा रहे हैं। इस मौके पर उपस्थित जनों ने स्वच्छता शपथ ग्रहण की एवं घर, गली, मोहल्ले, वार्ड व शहर की स्वच्छता में निरंतर सहभागिता देने, शहर को साफ-सुथरा रखने, गदंगी न करने तथा इस हेतु औरो को भी प्रेरित करने के अपने संकल्प को दोहराया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बेमेतरा में वारदातः मामूली सी बात पर युवक ने बुजुर्ग पर किया हमला, सिर पर हथौड़ी से वार पुलिस ने पकड़ा

बेमेतरा। गाली-गलौच करने वाले युवक ने एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया। बुजुर्ग के सिर पर लोहे की हथौड़ी से वार किया। बुजुर्ग को गंभीर हालत में बेमेतरा के जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां वह जिंदगी व मौत के बीच जंग लड़ रहा है।

इस मामले में पुलिस ने आज गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला बेमेतरा जिले के थानखम्हरिया थाना क्षेत्र का है। थानखम्हरिया थाना प्रभारी एसआई राजकुमार साहू ने बताया कि 24 सितंबर को प्रार्थी पनमेश्वर निषाद उम्र 25 निवासी ग्राम सैगोना थानाखम्हरिया जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया है। 24 सितंबर को सामुदायिक भवन सैगोना में काम करने गया था। पिता हृदय राम निषाद भी काम कर रहे थे। सामुदायिक भवन से लगा हुआ गनपत निषाद का मकान है,जहां पर अपने परिवार को गनपत गाली दे रहा थे।

हृदय निषाद ने गाली देने से मना किया तो गनपत निषाद ने सामुदायिक भवन में आकर समझाने वाले कौन हो बोलते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ में रखे लोहे की हथौड़ी से सिर में मार दिया। इससे हृदय राम बेहोश होकर जमीन में गिर गया। इसे जिला अस्पताल बेमेतरा में भर्ती कराया गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी गनपत निषाद पिता मोहित निषाद उम्र 25 निवासी ग्राम सैगोना थाना थानखम्हरिया जिला बेमेतरा के खिलाफ धारा 115(2), 296, 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है।

रेलवे पुल के नीचे मिली अज्ञात शख्स की लाश, नहीं हो सकी पहचान, जांच में जुटी पुलिस

कोरबा। जिले सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत बालको रोड पर देर रात डेंगूनाला के समीप रेलवे पुल के नीचे एक शख्सी की लाश मिलने की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष जा रही है। युवक कौन है और कहां का रहने वाला है और किन परिस्थितियों में वह उस जगह पर पहुंचा है यह समझ से परे है। जब राहगीरों की नजर उस पर पड़ी तब इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाल कर मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया। मृतक कौन है कहां से आया है यह जानने की कोशिश पुलिस द्वारा की जा रही है। वहीं सिविल लाइन थाना पुलिस ने बताया कि शव की पहचान के लिए आसपास लोगों और वार्ड के पार्षदों को संपर्क किया जा रहा है। वहीं, इसके अलावा पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना दे दी गई है।

बीच सड़क पर ऑयल टैंकर का टायर फटा, सड़क पर लग गया लंबा जाम

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का मामला, सड़क खोलने पुलिस को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाइ थाना क्षेत्र में गुरुवार आधी रात को मुख्य हाइवे पर ऑयल टैंकर का टायर फटने से सड़क पर लंबा जाम लग गया। दरअसल टैंकर का टायर फटने से चालक को कुछ समझ नहीं आया और वह टैंकर को वहीं छोड़कर भाग गया। आधी रात को रायपुर की ओर जाने वाली सड़क पर जाम लगा तो मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने स्थिति संभाली और सड़क को डायवर्ट कर किसी तरह से जाम को खत्म किया।

मिली जानकारी के अनुसार चरोदा में दुर्ग से रायपुर जाने वाली लेन पर आइल टैंकर का टायर फट गया। टायर फटने से टैंकर सड़क पर पलट गया। इसका चालक किसी तरह से निकलकर फरार हो गया। वहीं हादसे के बाद मौके पर जाम लग गया। सड़क पर ऑइल फैलने लगा था और सड़क पर जाम हो गई थी। हादसे की सूचना पुरानी भिलाई पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंचकर जाम हटाना शुरु किया। सबसे पहले सर्विस लेन को खाली कराया गया और वाहनों के लिए रास्ता खोला गया। इसके बाद जेसीबी की मदद से टैंकर को सड़क से हटाया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद करीब 2 घंटे तक लोगों को जाम से जूझना पड़ा। दुर्ग से रायपुर आने-जाने वाले वाहन लंबे जाम में फंसे रहे। रास्ता खुलवाने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

सेल्फी के चक्कर में नदी में गिरा नाबालिग, पुलिस व एसडीआरएफ के संयुक्त ऑपरेशन से बची जान

भिलाई। दुर्ग जिले के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में शिवनाथ नदी के बेलौदी पुल से एक नाबालिग लड़का सेल्फी लेने के चक्कर में गिर गया। घटना की सूचना मिलने पर जेवरा पुलिस की टीम एक्टिव हुई और एसडीआरएफ को बिना विलंब सूचना दी गई। जेवरा सिरसा पुलिस व एसडीआरएफ के संयुक्त ऑपरेशन से नाबालिग की जान बची। नाबालिग की पहचान कैंप एक निवासी गौरव साहू पिता चैतुराम साहू (17) के रूप में हुई।

जेवरा सिरसा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना दोपहर बाद लगभग 15:30 बजे की है। जेवरा सिरसा चौकी पुलिस को सूचना मिली कि एक नाबालिग शिवनाथ नदी में बेलौदी पुल से गिर गया है। सूचना पर तत्काल एसडीआरएफ को सूचित कर जेवरा सिरसा पुलिस व 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। एसडीआरएफके साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। रेस्क्यू टीम ने गौरव साहू सकुशल बाहर निकालकर उनके परिजनों को सौंपा। आसपास के लोगों ने बताया कि नाबालिग पुल पर खड़े होकर सेल्फी ले रहा था इस दौरान वह असंतुलित होकर गिर गया।

जवानों को बड़ी कामयाबीः सर्चिंग के दौरान पकड़ाया एक नक्सली

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत एक बार फिर से बड़ी कामयाबी मिली है। जहां थाना भेज्जी क्षेत्र से आम नागरिक की हत्या में संलिप्त एक नक्सली आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली विगत छह माह से फरार चल रहा था।

नक्सली को गिरफ्तार करने में थाना भेज्जी पुलिस बल, 207 कोबरा वाहिनी एवं 74, 219 वाहिनी सीआरपीएफ की विशेष भूमिका रही। जिला सुकमा में वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में नक्सलियों की उपस्थिति की आ-सूचना पर थाना भेजी।

219 वाहिनी सीआरपीएफ, 207 कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी नक्सली विरोधी अभियान हेतु ग्राम भण्डारपदर, नागाराम, चिन्तागुफा व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे कि अभियान के दौरान ग्राम भण्डारपदर जंगल के पास थाना भेज्जी के फरार नक्सली आरोपी मुचाकी हुंगा पिता मुचाकी हिडमा (भण्डारपदर आरपीसी, पंचायत कमेटी सदस्य) उम्र लगभग 35 वर्ष जाति मुरिया निवासी पटेलपारा भण्डारपदर थाना भेज्जी जिला सुकमा को घेराबंदी कर पकड़ा गया। फरार आरोपी द्वारा अपने अन्य नक्सली साथियों के साथ मिलकर पालामड़गु निवासी- पोड़ियाम जोगा को पुलिस मुखबीर का आरोप लगाकर उसकी हत्या करने की घटना में शामिल रहा।

मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि उक्त फरार नक्सली आरोपी की पता-तलाश पुलिस द्वारा विगत छह माह से की जा रही थी। उक्त फरार नक्सली आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। उपरोक्त घटना में शामिल अन्य नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

पेशी से लौटते समय बस से कूदकर फरार हुआ बंदी गांजा तस्करी में था जेल में बंद, पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

■ **कोंडागांव कोर्ट ने दिया था सेंट्रल जेल में शिफ्ट करने का आदेश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। गांजा तस्करी में जेल में बंद एक बंदी गुरुवार को पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। यह उस समय हुआ जब पुलिस उसे पेशी पर ले गई थी और वापस जेल दाखिल करने लाया जा रहा था। इस दौरान एक बंदी ने मौका देखकर बस से छलांग लगा दी और फरार हो गया। इससे पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। फिलहाल बंदी की तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार कोरापुट ओड़िसा निवासी सूरज बतरा गांजा मामले में गिरफ्तार होने के बाद उसे गुरुवार की

सुबह केशकाल कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जगदलपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट करने कहा गया। इसके बाद पुलिस के जवान बंदी को यात्री बस में बैठाकर उसे जगदलपुर के सेंट्रल जेल में शिफ्ट करने ले जा रहे थे। इस दौरान बंदी के साथ कोंडागांव पुलिस के जवान थे।

बताया जा रहा है कि जैसे की पुलिस गांजा तस्कर को लेकर आमागुड़ा चौक पहुंची तो ड्राइवर बस को रोका। बस रुकी तो मौका पाकर सूरज जवानों को चखमा देते हुए बस से कूद कर फरार हो गया। इससे पहले की जवान कुछ देख पाते बंदी उनकी आंखों से ओझल हो गया। इसकी सूचना जवानों ने जगदलपुर में दी लेकिन जब तक अन्य पुलिस कर्मियों की मदद मिलती बंदी फरार हो चुका था। बंदी के फरार होने से पुलिस महकमें में हड़कंप मचा हुआ है। बस्तर संभाग में एक सप्ताह के भीतर बंदी के फरार होने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले दंतेवाड़ा से बाइक चोर को लाते समय एक कैदी परपा थाना के पास जवानों की आंख में मिर्च डालकर फरार हो गया था, जिसमें एक आरोपी तो गिरफ्तार हो गया, लेकिन दूसरा आरोपी अब तक नहीं पकड़ाया है। अब गांजा तस्कर फरार हो गया है। इस पूरे मामले में बंदी को ले जाने वाले जवानों की लापरवाही सामने आई है।

सरकार की पुनर्वास योजना का लाभ लेने सरेंडर करने पहुंचा नक्सली, जांच में निकला फर्जी

■ **जांच में पकड़ाया, दो साथियों के साथ बनाया था प्लान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर उन्हें कई योजनाओं का लाभ देती है। हाल के दिनों में बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है जिन्हें सरकार की पुनर्वास नीति के तहत लाभ दिया गया। इस बीच बालोद जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। जिले के एसपी ऑफिस में एक नक्सली सरेंडर करने पहुंचा। पुलिस की जांच में वह फर्जी निकला। अब पुलिस ने उस युवक व उसके दो साथियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर के रहने वाले दो युवक मानपुर में एक अन्य दोस्त के साथ मिलकर प्लान बनाया। तीनों ने खुद को नक्सली बताकर पुलिस के सामने सरेंडर करने की योजना बनाई ताकि सरकार की पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाले लाभ उन्हें मिल सके। इसके बाद एक युवक एसपी ऑफिस पहुंचा और खुद को मोहला मानपुर एरिया कमेटी माहवारी संगठन का सदस्य बताया। युवक ने कहा कि वह सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर सपर्पण कर रहा है और उसके दो साथी भी सरेंडर करना चाहते हैं।

पुलिस ने सरेंडर करने वाले युवक से पूछताछ शुरू की। रुटीन पूछताछ में युवक की बातों से पुलिस का शक हुआ। इसके बाद कड़ाई से पूछताछ करने पर युवक का झूठ सामने आ गया। युवक ने बताया कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए उसने अपने दो साथियों के साथ प्लान बनाया था। बालोद के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक जोशी ने बताया कि फर्जी नक्सली बनकर सरेंडर करने पहुंचे युवक व उसके दो साथियों को हिरासत में ले लिया गया है।

नवविवाहिता ने लगाई फांसी, पुलिस ने पति को किया गिरफ्तार, जांच में कई खुलासे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के कारण हुई एक नवविवाहिता की आत्महत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतिका के पति जीवन मेहर, पिता चन्द्रमणी मेहर, उम्र 30 वर्ष, निवासी पडिगांव, थाना पुसौर, जिला रायगढ़ को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। रायगढ़ जिले में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने जांच के बाद महिला के पति को दहेज उत्पीड़न के तहत गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया है।

23 सितंबर को पुसौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सूचना प्राप्त हुई थी। जिसमें बताया गया था कि मृतिका रोजी मेहर, पति जीवन मेहर, उम्र 29 वर्ष, निवासी पडिगांव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस पर पुसौर थाने में धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर नवविवाहिता की मृत्यु के वास्तविक कारणों की जांच की गई।

दहेज के लिये करते थे प्रताड़ित

जांच के दौरान मृतिका के मायके एवं ससुराल पक्ष के साथ-साथ स्वतंत्र गवाहों के बयान दर्ज किए गए। बयानों से यह स्पष्ट हुआ कि मृतिका रोजी मेहर का विवाह डेढ़ वर्ष पूर्व जीवन मेहर से हुआ था। मृतिका के पति और उसके परिवार के अन्य सदस्य रोजी को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे, जिससे तंग आकर उसने 23 सितंबर को आत्महत्या कर ली।

जांच के बाद गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

जांच के बाद आरोपी जीवन मेहर और अन्य के खिलाफअपराध धारा 80(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी दिव्यांग पटेल के निर्देशन पर डीएसपी अभिलेश कौशिक ने अपराध दर्ज किया और त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी पुसौर निरीक्षक रोहित बंजारे और उनकी टीम के साथ आरोपी जीवन मेहर को हिरासत में लिया। आरोपी से पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए। जिसके आधार पर आज उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा

कबीरधाम जिला कोर्ट ने हत्या के एक मामले में दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला न्यायालय सत्र न्यायाधीश सत्यभामा अजय दुबे ने दिया है। दोषी का नाम बीसूराम बैगा पिता भरोसा बैगा उम्र 51 निवासी ग्राम साजाटोला थाना जंगल तरेगांव है। मामला 9 नवंबर 2023 का है। दोषी ने बीसूराम ने आपसी विवाद के चलते पतिराम यादव की बेरहमी से कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बीसूराम के खिलाफ धारा 302 के तहत 10 नवंबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कोर्ट में करीब 11 माह चली सुनवाई के बाद आजीवन कारावास व 500 रुपए का अर्थदंड लगाया है। दोषी को जब से गिरफ्तार किया गया है, तब से वह जेल में बंद है।

॥ कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ॥

EmailId:- durgmc 2019 @gmail.comPhone:- 0788-2322148

--: मेनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक-- 20 /ज.प्र.वि./2024--25 दुर्ग, दिनांक--24/09/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लो. नि.वि. मे प्रचलित भवन/सडक एस0ओ0आर0 01.01.2015 एवं नॉन एस.ओ.आर. के आधार पर तथा निविदा दिनांक से संशोधित दर पर कम/अधिक प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र कय हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -01.10.2024
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि -08.10.2024
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि -15.10.2024
निविदा खोलने की तिथि - 16.10.2024 शाम 5.00 बजे

क	कार्य का नाम/स्थल विवरण	लागत (लाख में)
1	नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्रांतर्गत 04 स्थानों में शुद्ध पेयजल हेतु आर.ओ. युक्त वाटर ए.टी.एम. मशीन लगाने हेतु।	20.00

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in. एवं www.uad.cg.gov.inसे भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्र. 02/तशा/(निविदा)/का.अ./लो.स्वा.यां.खंड/2024 दुर्ग, दिनांक 25.09.2024

// मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना //

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से "प्रपत्र ए" में प्रतिशत दर निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 08.10.2024 शाम 5.30 बजे है।

समूह क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
01	शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था दुर्ग के बालक छात्रावास में 01 नग 3 HP सबमर्सिबल पंप प्रदाय कर स्थापना सहित समस्त कार्य। 3 HP, 6 stages, Head mt. 55-7, Discharge LPM 60-510	0.659

यह निविदा सूचना मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
दुर्ग (छ.ग.)

जी-242502815/2

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/स.क.वि./2024/526/174 भिलाई, दिनांक 25/09/2024

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकार्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1.	श्री दासु पिता स्व. अम्मोरू, निवासी- 1/एच, सड़क नं.- एवेन्यू सी, जोन-2, सेक्टर-11, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग(छ.ग.)	श्री चन्दन जैन पिता श्री जितेन्द्र कुमार जैन, निवासी- 216, सेक्टर-11, जोन-3, खुर्सीपार, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कुरूद, कैलाश नगर (वार्ड नं.--16, कुरूद) अन्दर भाग भिलाई, खसरा नं.- 1603/112, क्षेत्रफल- 1546 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2.	चौहान टाउन-1, फेस-III , चौहान हाउसिंग कम्पनी, "चौहान ग्रीन वैली" अपोजिट चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई, पार्टनर-- श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत (दिपेश्वर) चौहान, मोहल्ला/ग्राम/कॉलोनी- राजीव नगर, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.) के तरफ आ. मु. श्री रामकिंकर मिश्रा पिता श्री स्व. शिव कृष्णा मिश्रा,	1. श्रीमती सुकान्ती भोई, ध.प. श्री निराकर भोई, 2. श्री सुनील कुमार भोई, श्री निराकर भोई, मोहल्ला/ग्राम/कॉलोनी-प्लॉट-02, ब्लॉक-61, नेहरू नगर (पूर्व), भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं.-- 01, " चौहान हाउसिंग कम्पनी" चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया, जुनवानी भिलाई, फ्लैट नं.-16, ब्लॉक-A/14, चतुर्थ तल, क्षेत्रफल - 595.00 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
3.	श्री रमा शंकर सिंह, पिता- स्व. श्री साधु सिंह, निवासी- प्लाट नं.- 18, ब्लॉक नं.- 34, नेहरू नगर पूर्व भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्री सुनील कुमार सिंह, पिता श्री रमा शंकर सिंह, निवासी- प्लाट नं.- 18, ब्लॉक नं.- 34, नेहरू नगर पूर्व भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	दानपत्र	मोतीलाल नेहरू नगर (पूर्व) आवासीय योजना भिलाई, (वार्ड क्रं. 03 कोसा नगर वार्ड अंदर भाग) भिलाई, ब्लॉक क्रमांक-34, भूखंड क्रमांक- 18, क्षेत्रफल- 209,70 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
4.	1. श्री अकबाल सिंग, पिता श्री गुरूचरण सिंग, 2. श्री मनवीर सिंग, पिता श्री गुरूचरण सिंग, दोनों निवासी- म.नं.-21, वार्ड नं.-1, महर्षि विद्या मंदिर के पास, आनंद नगर, नेहरू नगर, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	1. श्री अजय कुमार मनहर, पिता श्री गणेश मनहर, 2. श्रीमती ज्योति मनहर, ध.प.श्री अजय कुमार मनहर, दोनों निवासी- प्लाट नं.- 39/बी, अनुष्ठा रेसीडेंसी, आर-08, खम्हरिया रोड, नेहरू नगर, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड क्र. 01 जुनवानी वार्ड, भिलाई, (आनंद नगर गृह निर्माण सरकारी समिति जुनवानी से लगा हुआ अंदर भाग), भिलाई, प्लाट नं.-21 एवं 22, क्षेत्रफल- 2400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
5.	श्री संजीव पागे, पिता श्री रामचंद्र पागे, निवासी- एम. आई.जी. - 2/338, आमदी नगर, हुडको, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती शहनाज बेगम पति श्री अकीक उल्लाह खान, निवासी- एम.आई.जी.- 1/904, आमदी नगर, हुडको, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	आमदी नगर, हुडको (वार्ड नं.- 69, शहीद कौशल यादव नगर दक्षिण), अंदर भाग भिलाई, मकान/प्लाट नं.- एम.आई. जी.- II/338, खसरा नं.- 1/2 एवं 2/2 का भाग, क्षेत्रफल- 160 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्मित।
6.	श्रीमती सुनील कुमारी भाटिया, ध.प. श्री कैप्टन सी.बी. भाटिया, निवासी- MIG-37, वार्ड नं.- 10, वैशाली नगर भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती पुष्पलता खोब्रागढे, ध.प. श्री दिगम्बर खोब्रागढे, निवासी- 214, मराठी मोहल्ला, कोसा नगर भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, (वार्ड नं. 07 फरीद नगर वार्ड के मैत्री विहार अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.- 2632/12, प्लाट नं.- 165 बी का भाग, रकबा- 186 वर्गमीटर, रिक्त भूमि।
7.	1. वसीम बख्श, आ. स्व. सलीम बख्श, 2. श्रीमती इक्फत आरा बख्श, ध.प. वसीम बख्श, निवासी- क्वा.नं. -9 सी, स्ट्रीट-एवेन्यू-बी, सेक्टर-2, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	सुश्री सुशेष सिंह, पिता जगदीश सिंह, निवासी- क्वा.नं.-6/सी, स्ट्रीट नं.- 14, सेक्टर-05, भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	चौहान हाउसिंग कंपनी (चौहान टाउन) जुनवानी भिलाई, वार्ड नं.-02 स्मृति नगर वार्ड अंतर्गत चौहान टाउन अंदर भाग, खसरा नं.- 714, 716 एवं 308, फ्लैट नं. - 11, ब्लॉक क्रं.- G 7, रकबा- 670 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
8.	श्रीमती त्रिलोकी पति श्री भीखम साहू, निवासी-प्लाट नं.- 34, अयप्पा नगर, चन्द्र नगर वार्ड नं.-08, दुर्गा मंदिर के पास, सुपेला भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती कहकशा खान, पति डॉ. लुकमान खान, निवासी- प्लाट नं.- 62, चंद्र नगर कोहका सुपेला भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, कोहका फरीद नगर वार्ड क्रं. 07, (चन्द्रा नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं.- 2485, प्लाट नं.- 34, रकबा- 2300 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
9.	श्रीमती खतबुन निशा, ध.प. श्री हैदर अली, निवासी- प्लाट नं.- 83, सुन्दर नगर पश्चिम, कोहका भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	श्री नजीर अहमद, आ. हैदर अली, निवासी- प्लाट नं.- 83, सुन्दर नगर पश्चिम, कोहका भिलाई, तह. व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	वसीयतनामा	कोहका, फरीद वार्ड क्रं. 07 (फरीद नगर) भिलाई, खसरा नं.- 1635, रकबा- 4361, आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

छत्तीसगढ़ में खुले शासकीय नौकरियों के द्वार...

छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में 3500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों में युवाओं की भर्ती का सिलसिला वृहद पैमाने पर शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर अब तक लगभग 8 विभागों में 3,474 पदों की भर्ती के लिए वित्त विभाग ने अपनी मंजूरी दे दी है। खाली पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को लेकर कमोबेश सभी विभाग प्रस्ताव बनाने से लेकर शासन से स्वीकृति की तैयारी में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय की मंशानुरूप विभागों में भर्ती की प्रक्रिया अनवरत रूप से जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वित्त विभाग से स्वीकृति मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, गृह विभाग, विधि विभाग, आदिम जाति कल्याण, वन एवं पर्यावरण विभाग अपने-अपने विभागों में भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने में लगे हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार छत्तीसगढ़ में युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार में नए अवसर प्रदान करने के लिए कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय की पहल पर ही कैबिनेट ने पुलिस विभाग सहित अन्य शासकीय भर्तियों में युवाओं के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट का लाभ भी युवाओं को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय की पहल पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में उप अभियंता (सिविल) के 118, उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) के 10 पदों सहित 181 पदों पर भर्ती की मंजूरी वित्त विभाग ने दी है। इसी तरह गृह विभाग में सूबेदार, उप पुलिस निरीक्षक, प्लाटून कमांडर, नगर सैनिक सहित कुल 806 पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग से स्वीकृति मिली है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारी, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, स्टॉफ नर्स सहित अन्य संवर्ग के 1201 पदों पर स्वीकृति के साथ ही छत्तीसगढ़ विधानसभा में सहायक मार्शल के पदों तथा आदिम जाति कल्याण विभाग में छात्रावास अधीक्षक के 300 पदों भर्ती की प्रक्रिया जारी है। वन विभाग में वन रक्षक सहित अन्य संवर्ग के कुल 66 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग आजीविका मिशन के अंतर्गत विभिन्न संवर्ग के 237, विधि विभाग के अंतर्गत न्यायालयों में व्यवहार न्यायाधीश सहित अन्य संवर्ग के कुल 362 पदों पर तथा कृषि विभाग के अंतर्गत 321 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की भर्ती का रास्ता खुल गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ में शासकीय विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग की स्वीकृति एवं विभागों द्वारा भर्ती विज्ञापन का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, नगर सैनिकों सहित अन्य विभागों में रिक्त पदों की भर्ती की वित्त विभाग द्वारा स्वीकृति एवं भर्ती की लंबित प्रक्रिया शुरू करने की सहमति के बाद विभाग भर्ती की प्रक्रिया को पूरा करने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर वित्त विभाग ने न्यायालयों में रिक्त पदों पर नई भर्ती की मंजूरी दे दी है। न्यायालयों में कुल 362 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों की कमी को दूर कर न्यायपालिका के कार्यों को सुचारू बनाना है। उपमुख्यमंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार विधि विधायी विभाग द्वारा रिक्त पदों की पूर्ति के लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर विधि एवं विधायी विभाग की प्रस्ताव पर वित्त विभाग ने तत्काल स्वीकृति प्रदान की है।

वित्त विभाग से मंजूरी मिलने के बाद न्यायालयों में व्यवहार न्यायाधीश के 57, स्टेनोग्राफर के 46, सहायक ग्रेड-3 के 118, स्टेनोटायपिस्ट के 07, वाहन चालक के 08, प्रोसेस सर्वर के 05 और चौकीदार, गार्डनर, स्वीपर, वाटरमेन के 83 एवं एक सहायक प्रोग्रामर के रिक्त पदों की पूर्ति का रास्ता खुल गया है।

राज्य के न्यायालयों में रिक्त पदों की भर्ती होने से न केवल न्यायालयों में कार्य दक्षता बढ़ेगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी लाने में भी मदद मिलेगी। न्यायालयों में कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या होने से कामकाज का निष्पादन भी समय पर हो सकेगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर राज्य में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी 321 पदों पर बीते छह महीने से लंबित भर्ती की प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई है। व्यापमं द्वारा ली गई ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन आगामी 30 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक पूरा करने के बाद नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न संवर्ग के रिक्त 650 पदों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 181 पदों, ग्रामीण आजीविका मिशन में 237 पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग द्वारा स्वीकृति ली जा चुकी है। बिलासपुर में 465 नगर सैनिकों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है।

छत्तीसगढ़ की खूबसूरती का दुनिया से परिचय कराने सरकार प्रयासरत- साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि पर्यटन के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन किया जाता है।

श्री साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ पर्यटन की संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य है। यहां के अनेक स्थल हमारी प्राचीन पौराणिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े हुए हैं। यहां प्राकृतिक सौंदर्य के मनोरम स्थलों के साथ धार्मिक और पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के कई स्थान हैं। नदियां, झरने, जल प्रपात, सघन वनों से आच्छादित प्राकृतिक पर्यटन स्थल बरबस ही पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। राज्य सरकार इन स्थानों को विकसित कर पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा प्राचीन दंडकारण्य वन और माता कौशल्या की जन्म-स्थली हमारे गौरव हैं। इंद्रावती नदी पर चित्रकोट जलप्रपात, सिरपुर का प्रसिद्ध लक्ष्मण मंदिर और बस्तर का दशहरा पूरे देश में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि छत्तीसगढ़ के रामगढ़ की पहाड़ियों में महाकवि कालीदास ने मेघदूत की रचना की। यहां सबसे प्राचीन नाट्यशाला है। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का पर्यटन परिदृश्य एवं सांस्कृतिक परंपरा अनोखी है। छत्तीसगढ़ के पौराणिक महत्व और उसकी खूबसूरती से देश-दुनिया का परिचय कराने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत् है।

राजा राममोहन राय की पुण्यतिथि पर किया नमन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ब्रह्म समाज के संस्थापक, समाज सुधारक, विचारक, शिक्षाविद राजा राममोहन राय की 27 सितम्बर को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा कि राजा राम मोहन राय जी के प्रयासों से देश में सती प्रथा और बाल विवाह की प्रथाओं पर रोक लगी। उन्होंने समाज में महिलाओं की दशा सुधारने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कई प्रयास किए। सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास का उन्होंने पुरजोर विरोध किया। देश में किए गए सामाजिक और धार्मिक सुधारों के कारण उन्हें भारतीय पुनर्जागरण का अग्रदूत कहा जाता है। उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री के हाथों नि:शुल्क बस पास मिला तो दिव्यांगजनों के खिल उठे चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दिव्यांग जनों के जीवन को आसान और सुखमय बनाने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर के ग्राम बगिया में 07 दिव्यांगों को नि:शुल्क बस पास वितरित कर उन्हें शॉल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने दिव्यांग लक्ष्मी बाई, विकास नायक, तिजनु राम, देव कुमार चौहान, संध्या सिदार, सोनम सिदार, सुशीला तिग्गा, सुशीला बाई नायक, पूजा नारंगे सहित वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क बस पास वितरित किए।

पहली बार सिकलसेल से पीड़ित 18 वर्षीय सोनम सिदार एवं 08 वर्षीय बालक देव कुमार चौहान को भी बस पास प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के तहत 'दिव्यांगजन नि:शुल्क बस-यात्रा पास' का प्रावधान किया गया है। जिसमें परिवहन विभाग के समन्वय से दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क बस-यात्रा पास तथा रेल यात्रा हेतु रियायत प्रमाण पत्र बनाए जाते हैं।

दिव्यांगजनों की दिक्कतें हुई दूर

सिकलसेल बीमारी से ग्रसित चराईडांड निवासी सोनम सिदार ने कहा कि उन्हें बार-बार जशपुर या अन्य बड़े शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता था। नि:शुल्क बस पास मिल जाने से उनके आने जाने के खर्च की दिक्कत खत्म हो जाएगी और उनकी पढ़ाई भी नियमित रूप से हो सकेगी। अस्थि बाधित दिव्यांग विकास नायक ने कहा कि पहले वे कहीं आने जाने में दिक्कत महसूस करते थे। ऐसे में नि:शुल्क बस पास मिलने से ना सिर्फ राज्य अपितु दूसरे राज्य में भी आना जाना कर सकेंगे। उन्होंने नि:शुल्क बस पास के लिए मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त किया।

स्कूली दिनों के शिक्षक से पैर छूकर मुख्यमंत्री ने मांगा आशीर्वाद

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने बचपन के स्कूली शिक्षक राजेश्वर पाठक से मुलाकात कर भाव विभोर हो गए। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों को याद किया और अपने शिक्षक का चरण स्पर्श कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरूजनों का ही आशीर्वाद है कि मैं यहां तक पहुंच पाया हूँ। ऐसा कहते हुए उन्होंने अपने शिक्षक से फिर से आशीर्वाद मांगा और उनके शिक्षक ने भी पूरे दिल से आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय को स्कूल पढ़ाने वाले 94 वर्षीय शिक्षक राजेश्वर पाठक ने बताया कि जब वे लोयला उच्चतर माध्यमिक शाला कुनकुरी में पढ़ाया करते थे, तब मुख्यमंत्री श्री साय छात्र हुआ करते थे। वे बचपन से ही बहुत प्रतिभावान, आज्ञाकारी और विनम्र स्वाभाव के थे। सौम्यता और सरलता उनकी विशिष्ट पहचान थी। जब वे सांसद थे तब भी और मुख्यमंत्री बनने के बाद, जब भी वे मिले तो उनमें वही विनम्रता और वही सम्मान का भाव दिखा जो अद्भुत है।

सीएम के हाथों मिली इलेक्टॉनिक चाक तो कुंभकारों ने जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के ग्राम बगिया में 100 कुंभकार शिल्पकारों को नि:शुल्क इलेक्ट्रॉनिक चाक वितरित कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर शिल्पकारों ने मुख्यमंत्री को कलाकृति भी भेंट की। अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ के प्रांत संरक्षक शम्भू नाथ चक्रवर्ती ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक चाक से कुंभकारों की कला में अधिक निखार आएगा और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि जशपुर जिले में 195 ग्रामों में 2236 कुम्भकार परिवारों के 100 शिल्पकार है। इन सभी को नि:शुल्क इलेक्ट्रॉनिक चॉक वितरित किया गया है। उल्लेखनीय है कि माटी कला बोर्ड की ओर से कुम्भकार टेराकोटा योजना के तहत कुम्भ शिल्पकारों को 22 हज़ार 2 सौ लागत के इलेक्ट्रॉनिक चाक नि:शुल्क प्रदान किए जाते हैं।

दिल्ली को अपनी व्यथा बताकर लौटे माओवाद पीड़ितों का सीएम हाउस में हुआ आत्मीय स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में माओवादी हिंसा से पीड़ित बस्तर के लगभग 55 नागरिकों को आमंत्रित किया गया, जो हाल ही में अपनी व्यथा और समस्याओं को व्यक्त करने दिल्ली गए थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मौसम खराब होने के कारण उड़ान बाधित होने से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए। मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने माओवादी हिंसा पीड़ित बस्तरवासियों का स्वागत किया।

श्रीमती कौशल्या देवी साय ने नक्सल पीड़ितों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का संदेश देते हुए कहा कि आप सभी बस्तर के नागरिकों का साहस प्रशंसनीय है। आपके साहस, कठिन परिश्रम और प्रयासों के कारण ही बस्तर में शांति लौटी है। आपने माओवादी आतंक को अपनी आंखों से देखा, जिया और झेला है। आपने बड़े साहस के साथ इस त्रासदी का सामना किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दौरे पर हैं आपके बीच नहीं आ पाए। आपका मुख्यमंत्री निवास में स्वागत और अभिनंदन है। उन्होंने सभी अतिथियों को उपहार स्वरूप एक बैग, ट्रैक सूट भेंट किया। इस दौरान उन्होंने यह भी पूछा कि दिल्ली यात्रा के अनुभव कैसे रहे, जिस पर सभी ने एक स्वर में कहा कि यह यात्रा बहुत अच्छी रही और कई ग्रामीणों ने पहली बार हवाई जहाज में यात्रा का अनुभव भी साझा किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रयास से बस्तर में विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने कहा कि आपने दिल्ली जाकर बस्तर की व्यथा को केंद्र सरकार और पूरे देश के सामने रखा, जो आज तक किसी ने नहीं किया था। माओवादी हिंसा का दर्द अब पूरे देश ने जाना है। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर से नक्सलवाद का समूल नाश करना है। श्री शर्मा ने यह भी कहा, आपने नक्सलियों की गोलियों और आईईडी के खतरे के बीच अपने साहस का परिचय दिया। बंदूक और हिंसा से विकास संभव नहीं है। अब समय आ गया है कि बस्तर शांति और विकास की दिशा में आगे बढ़े।

गौरतलब है कि माओवादी हिंसा से पीड़ित ये नागरिक हाल ही में दिल्ली के जंतर मंतर और जेएनयू में आंदोलन करने के साथ-साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर नक्सलियों के कृत्यों से हुई परेशानियों को साझा कर चुके हैं। इनकी दिल्ली यात्रा का मुख्य उद्देश्य नक्सल समर्थक समूहों द्वारा फैलाए झूठ का खुलासा करना, हिंसा से प्रभावित लोगों की आवाज को दिल्ली तक पहुंचाना था। इस अवसर पर विधायक ईश्वर साहू और बस्तर शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

नक्सल पीड़ितों ने डिप्टी सीएम से सांझा किया दर्द

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने निवास कार्यालय पर माओवादी हिंसा से पीड़ित बस्तर के लगभग 55 नागरिकों का गर्मजोशी से स्वागत किया, जो अपनी व्यथा और समस्याओं को लेकर दिल्ली गए थे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक पीड़ित से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उपमुख्यमंत्री ने उनकी पीड़ाओं को ध्यान से सुना। इस मौके पर उन्होंने पीड़ितों को दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं जैसे रेडियो, घड़ी, थाली, लोटा, गिलास, टॉर्च, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, बैग और बच्चों के लिए चॉकलेट का वितरण कर उनकी सहायता की। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर के गांव-गांव में विकास के मार्ग को नक्सलियों ने आईईडी से जकड़ रखा है। ये आईईडी न गांववालों को पहचानती है, न जानवरों को। इसके धमाकों में सैकड़ों लोग अपंग हो चुके हैं। किसी का पैर कट गया है, किसी की आंखें चली गई हैं, तो कोई अपने हाथ खो चुका है। यह माओवादी हिंसा गांवों को दहशत में डालने का काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यहां उपस्थित सभी लोग उन मानवाधिकार समर्थकों से सवाल कर रहे हैं जो नक्सलियों का समर्थन करते हैं। आखिर क्यों कोई बस्तर के लोगों के दर्द पर चर्चा नहीं करता? बस्तर के गांववालों की जिंदगी पर कोई क्यों नहीं बोलता? यह अत्याचार कब तक चलेगा? उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुसार बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का अंत किया जाएगा। जो लोग सुरक्षा बलों के मनोबल को तोड़ने की कोशिश करते हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि यह केवल बस्तर का नहीं बल्कि पूरे देश का मुद्दा है। नक्सली बस्तर के विकास और लोगों की शांति को बर्बाद करने में लगे हुए हैं और इसका प्रतिकार अब आवश्यक हो गया है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बस्तर के पीड़ितों का हौसला बढ़ाया और उनके साथ मजबूती से खड़े रहने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बस्तर के लोग माओवादी आतंक के खिलाफमजबूती से खड़े हैं और सरकार उनके साथ पूरी शक्ति से इस लड़ाई को लड़ेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950